वर्ष : 16 ❖ अंक : 339 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शनिवार, 23 जुलाई 2022

हम भगत सिंह की और तुम सावरकर की औलाद 3

ऑस्ट्रेलियाई टीम की दावेदारी को मजबूत नहीं मानती मंधाना 7

द्रौपदी मुर्मू की जीत की खुशी में राजधानी में निकाली रैली

सीएम ने की द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जुलाई । देश के अगले राष्ट्रपति के तौर पर श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के निर्वाचित होने की खुशी में आज राज्य की राजधानी गंगटोक में एक विजय रैली निकाली गयी।

तादोंग के डारागांव से आरम्भ होकर यह रैली एमजी मार्ग स्थित टाइटेनिक पार्क में जाकर समाप्त हुई। इसमें राज्य के शिक्षा मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा, शहरी विकास मंत्री अरूण उप्रेती, गिरजा मंत्री सोनम लामा के अलावा अन्य मंत्रियों, विधायकों, काउंसिलरों ने हिस्सा लिया। इसमें विभिन्न सांस्कृतिक समूहों ने भी भाग लिया।

इसी बीच सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) एवं लोक सभा सांसद इंद्र हांग सुब्बा ने आज नई दिल्ली में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है। उनके साथ राज्य के विभिन्न समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 से अधिक कलाकार भी थे। मुख्यमंत्री के प्रेस सचिव विकास बस्नेत ने कहा कि आदिवासी जनजातियों के मूल निवास सिक्किम के लिये यह ऐतिहासिक एवं गर्व का क्षण है। ऐसे में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के नेतृत्व में हम राज्य के सभी छह जिलों में इसका समारोह मना रहे हैं।

वहीं विजय रैलियों में कोविड उपयुक्त व्यवहार के पालन के बारे में पूछे जाने पर विकास बस्नेत ने कहा कि यह काफी जरूरी समारोह था और इसमें हमलोगों ने कोविड-19 से सम्बंधित सभी ऐहतियाती कदम उठाये थे। उन्होंने बताया कि सभी जिलों में करीब दो घंटों तक रैलियों का आयोजन किया गया है। इसमें सभी लोगों के लिये मास्क पहनना और सैनीटाइजर का उपयोग करना आवश्यक किया गया था। रैलियों की समाप्ति पर भीड़ को कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करते हुए अलग-थलग होने को कहा गया।

इसके साथ ही विकास बस्नेत ने यह भी कहा कि हम नवनिर्वाचित राष्ट्रपति से सिक्किम के आदिवासी समुदाय के लोगों से सम्बंधित मुद्दों एवं उनकी मांगों से अवगत करायेंगे। उन्होंने बताया कि हमारे मुख्यमंत्री श्री तामंग श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के काफी करीब हैं। ऐसे में हमें उम्मीद है कि राज्य के छूटे हुए समुदायों को जनजाति का दर्जा प्रदान किये जाने की मांग शीघ्र ही पूरी होगी।

मछली पालन को पेशे के रूप में अपनाएं युवा : मंत्री शर्मा

लाल बाजार में घरेलू मछली बाजार का उद्घाटन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जुलाई । राज्य के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग के मंत्री लोकनाथ शर्मा ने आज दोपहर गंगटोक निर्वाचन क्षेत्र के विधायक वाईटी लेप्चा की विशेष उपस्थिति में लाल बाजार, गंगटोक में प्रथम घरेलू मछली बाजार का उद्घाटन किया। गंगटोक का पहला घरेलू मछली बाजार लाल बाजार में नॉन-वेज भवन की पहली मंजिल पर स्थापित किया गया है।

मंत्री शर्मा ने अपने संक्षिप्त संबोधन में पहले घरेलू मछली बाजार के उद्घाटन को मत्स्य पालन क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय किस्मों की मछलियों के लिए एक बाजार उपलब्ध कराने के लिए इसकी शुरुआत की गई है। उन्होंने राज्य में पहली बार अपने मछली उत्पादों को बेचने के लिए शहर के मध्य में आवश्यक स्थान उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत प्रदान किए जा रहे विभिन्न लाभों पर जोर दिया और कहा कि राज्य सरकार कौशल स्टार्ट-अप योजना, क्रेडिट के माध्यम से विकास और राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत वित्तीय प्रोत्साहन, तकनीकी सहायता और रियायती ऋण प्रदान कर रही है। उन्होंने युवाओं को मछली पालन उद्यमिता अपनाने के लिए आगे आने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने मत्स्य निदेशालय को स्थानीय रूप से उपलब्ध मछली उत्पादों को एकत्र करने की एक उचित प्रणाली विकसित करने का सुझाव दिया ताकि किसानों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा, उन्होंने विक्रेताओं को अत्यधिक जिम्मेदारी के साथ स्वच्छता बनाए रखने और स्वच्छ उत्पादों को बेचने की सलाह दी।

सचिव, एएच एंड वीएस, डॉ पी सेंथिल कुमार ने भी घरेलू मछली बाजार स्थापित करने के उद्देश्य से बात की। उन्होंने बताया कि घरेलू मछली बाजार का उपयोग विशेष रूप से किसानों द्वारा स्थानीय रूप से संवर्धित मछली और राज्य के मछुआरों द्वारा नदियों से पकड़ी गई मछलियों की (शेष पृष्ठ ०३ पर)

द्रौपदी मुर्मू की जीत पर राज्यभर में मना जश्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जुलाई । राष्ट्रपति चुनाव में श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की जीत एवं 15वें राष्ट्रपति के तौर पर उनके चुनाव की खुशी में आज समूचे सिक्किम के विभिन्न जिलों में पूरे उत्साह के साथ इसका जश्न मनाया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर गाजे-बाजे एवं परम्परागत परिधानों के साथ भव्य रैलियां निकाली गयीं।

गेजिंग जिला के चार निर्वाचन क्षेत्रों-गेजिंग बर्मियोक, युक्सोम ताशीडिंग, यांगथांग तथा मानेबोंग देंताम-में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्योंग्सा ग्राउंड में विजय समारोह आयोजित हुआ जिसके बाद वहां स गेजिंग कम्युनिटी हॉल तक एक सामूहिक रैली निकाली गयी। इस रैली में समाज के हर वर्ग के हजारों लोगों उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

रैली में डिप्टी स्पीकर सांगे लेप्चा, गेजिंग बर्मेक के विधायक सह मंत्री लोक नाथ शर्मा, यांगथांग विधायक सह मंत्री भीम हांग सुब्बा के अलावा विभागीय सलाहकार, चेयरमैन, गेजिंग डीसी, पंचायत सदस्यगण एवं आमलोग शामिल रहे। इस दौरान परम्परागत वेशभूषा में लोगों ने हाथों में तिरंगा एवं बधाई संदेश लिखे प्लेकार्ड एवं बैनरों के साथ देशभक्ति संगीत संग श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की जीत का जश्न मनाया। इस दौरान नवनिर्वाचत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की जीवनी एवं सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) का बधाई संदेश भी पढ़ कर सुनाया गया।

इससे पहले, मंत्री लोकनाथ शर्मा ने स्वागत वक्तव्य रखते हुए नयी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नयी उपलब्धि के साथ राष्ट्रपति चुनाव में जीत हेतु उन्हें बधाई दी।

साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामंग के नेतृत्व में राज्य के सहयोग के बारे में कहते हुए नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के प्रेरक जीवन से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम में एसआईडीआईसीओ चेयरमैन जनक गुरुंग भी उपस्थित रहे।

वहीं पूरे राज्य के साथ-साथ पाकिम जिला में भी आज श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की राष्ट्रपति चुनाव में ऐतिहासिक जीत की खुशी में भव्य रैली निकाली गयी। गौरतलब है कि श्रीमती द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति चुनी जाने वाली पहली आदिवासी महिला होने के साथ ही इस पद पर आसीन होने वाली सबसे कम उम्र की उम्मीदवार हैं। राष्ट्रपति बनने के पूर्व श्रीमती द्रौपदी मुर्मू 2015 तथा 2021 के बीच झारखंड की राज्यपाल रह चुकी हैं। इसके अलावा वह 2000 से 2004 के बीच ओडिशा सरकार की कैबिनेट में भी कई पदों पर रह चुकी हैं।

इस अवसर पर जिला कोऑर्डिनेटर एम प्रसाद ने अपने वक्तव्य में श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के सिक्किम विधानसभा में चुनाव प्रचार करने वाली पहली राष्ट्रपति उम्मीदवार होने की जानकारी दी। उन्होंने सिक्किम के साथ ही पूरे देश की महिलाओं के लिये उन्हें आदर्श बताया।

पाकिम में निकाली गयी रैली में सिक्किम विधानसभा स्पीकर एलबी दास, नामचेबुंग क्षेत्रीय विधायक ऐम प्रसाद शर्मा, रेनॉक विधायक बिष्णु कुमार खतिवाड़ा, गनाथांग-माचोंग क्षेत्रीय प्रमुख छिरिंग भूटिया, पाकिम डीसी ताशी चोफेल के अलावा चेयरमैन, सलाहकार, विभाग प्रमुख, पंचायत सदस्यगण, सरकारी अधिकारीगण, शिक्षक, विद्यार्थीगण एवं आमलोग शामिल रहे।

इसके अलावा दक्षिण सिक्किम के नामची जिला में भी एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की जीत की खुशी में विजय समारोह का आयोजन हुआ। यहां बाइचुंग स्टेडियम से सेन्ट्रल पार्क तक एक विजय रैली निकाली गयी जिसमें मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामंग की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा राई, भवन व आवास मंत्री संजीत खरेल, पर्यटन व उड्डयन मंत्री बेदु पंथ, दक्षिण जिलाध्यक्ष, दक्षिण एपीएस, विधायकगण, सलाहकारगण, चेयरपर्सन, काउंसिलर्स एवं आमलोग शामिल हुए।

वहीं मंगन जिला में भी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की जीत की खुशी में विजय रैली का आयोजन किया गया। जिला प्रशासनिक भवन से आरम्भ होकर यह रैली मंगन एमएनपी तक जाकर समाप्त हुई। इस अवसर पर मंगन-लाचेन विधायक सामदुप लेप्चा, काबी विधायक कर्मा लोदे भूटिया, जोंगू विधायक पिंछो नामग्याल लेप्चा, मुख्यमंत्री के एपीएस छिरिंग वांग्याल भूटिया, मंगन चेयरमैन नीम छिरिंग लेप्चा, लाचुंग/लाचेन पिपोंग, अध्यक्ष श्रीमती नामदे लेप्चा, उपाध्यक्षा श्रीमती थिनी भूटिया एवं काउंसिलर शामिल हुए।

इस अवसर पर काउंसिलर श्रीमती पेमकित लेप्चा ने श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की जीवनी पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सांस्कृतिक एवं परम्परागत संगीत भी पेश किये गये।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत फोटो प्रदर्शनी आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जुलाई । राज्य सूचना व संस्कृति विभाग द्वारा आज स्थानीय मनन केंद्र में आजादी का अमृत महोत्सव के बैनर तले एक फोटो प्रदर्शनी एवं फिल्म स्क्रीनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में आईपीआर विभाग के सलाहकार बीरेन्द्र तामलिंग मुख्य अतिथि थे। वहीं उनके अलावा आईपीआर सचिव श्रीमती सिपोराह जी तारगेन, संस्कृति विभाग के सचिव कर्मा आर बोन्पो, विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा अन्य लोग भी यहा मौजूद रहे। प्रदर्शनी में आईपीआर विभाग द्वारा संरक्षित रखी गयीं छोग्याल राज के समय से लेकर आज तक की फोटो संग्रह प्रदर्शित की गयी।

कार्यक्रम में दो वृत्तचित्रों की स्क्रीनिंग भी की गयी। इनमें फिल्म आईपीआर द्वारा निर्मित तथा अवंती सिन्हा द्वारा निर्देशित पुरस्कार प्राप्त वृत्तचित्र 'भुमचू' और चोग्याल राजा पर बनी तथा आईपीआर विभाग द्वारा संकलित एक दुर्लभ वृत्तचित्र शामिल रहे। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में (शेष पृष्ठ ०३ पर)

बेतहाशा महंगाई पर लगाम लगाने में केंद्र विफल : गोपाल छेत्री

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जुलाई । सिक्किम प्रदेश कांग्रेस ने केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर गरीबों एवं मजदूरों की परवाह न करते हुए उन्हें बेतहाशा महंगाई की समस्या में डालने का आरोप लगाया है। पार्टी के अनुसार इस बेलगाम महंगाई के कारण गरीब तबके एवं आम लोगों का जीवन निर्वाह करना कठिन हो गया है। वहीं पार्टी ने इसे लेकर राज्य की एसकेएम सरकार पर भी हमला बोला है।

सिक्किम प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोपाल छेत्री ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि हाल ही में भाजपा सरकार ने कई आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाकर महंगाई को और बढ़ा दिया है। इसके कारण विशेष तौर पर गरीब, श्रमजीवी तबके के लोगों एवं आम नागरिकों के लिए जीविका चलाना मुश्किल हो गया है। भाजपा सरकार के इस गरीब विरोधी कदम का सिक्किम प्रदेश कांग्रेस तीव्र विरोध करती है।

प्रदेश कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि खाद्य पदार्थों एवं अन्य वस्तुओं कि महंगाई के कारण सिक्किम जैसे पहाड़ी राज्य की जनता को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन इसके बावजूद राज्य की जनता द्वारा बनाई गई एसकेएम सरकार के लिए यहां की जनता की इस समस्या से अधिक केंद्र की चमचागिरी महत्वपूर्ण हो गई है। गठबंधन के नाम पर एसकेएम सरकार राज्य की जनता की समस्याएं भूल कर केंद्र सरकार को खुश करने में लगी है। उन्होंने कहा, जहां एक ओर जनता महंगाई की समस्या से जूझ रही है, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार भारी भरकम रकम खर्च कर विपक्षी पार्टियों के नेताओं को अपने दल में शामिल करने में लगी है। ऐसे में कुल मिलाकर यह राज्य सरकार गरीब विरोधी, जन विरोधी एवं नेतागिरी (शेष पृष्ठ ०३ पर)

आजादी का अमृत महोत्सव पर हर घर पर तिरंगा फहराने का आग्रह

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जुलाई । भारतीय स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे होने के गौरवशाली अवसर पर भारत सरकार द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान के एक हिस्से के तौर पर समूचे देश भर में 20 करोड़ से अधिक घरों एवं कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत सिक्किम के सभी नागरिकों से भी आगामी 13 से 15 अगस्त 2022 तक अपने घरों, कार्यालयों इत्यादि में तिरंगा ध्वज फहरा कर इस समारोह में शामिल होने की आग्रह किया गया है। इस दौरान सभी सरकारी, निजी कार्यालयों, शैक्षणिक व वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, गैर सरकारी संगठनों, रेस्टोरेंटों, शॉपिंग कॉम्प्लेक्सों, पुलिस थानों द्वारा भी देश के इस गौरवशाली क्षण का सहभागी बनते हुए अपने-अपने स्थानों पर तिरंगा फहराया जायेगा।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में अपना बलिदान देने वाले शहीदों एवं इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कई बेनाम वीरों के साथ ही स्वाधीनता प्राप्ति के बाद देश निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अन्य सभी लोगों को हम सलाम करते हैं। आइये, हम एकजुट होकर इस ऐतिहासिक समारोह में सहभागी बनें।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी उम्मीदवारी का चार देश कर रहे समर्थन, लेकिन चीन अब भी अड़ा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के पांच स्थायी सदस्यों में से चार ने शीर्ष विश्व निकाय में स्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है। एक सवाल के जवाब में विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा कि भारत लगातार चीन के साथ यूएनएससी में सुधार का मुद्दा उठाता रहा है। चीन एकमात्र ऐसा देश है जिसने अभी तक यूएनएससी का सदस्य बनने के लिए भारत के प्रयास का समर्थन नहीं किया है। मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में से चार ने द्विपक्षीय रूप से विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी के समर्थन की आधिकारिक पुष्टि की है।

मुरलीधरन ने कहा कि सरकार ने विस्तारित यूएनएससी में भारत के लिए स्थायी सदस्यता हासिल करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस दिशा में सरकार ने भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन के लिए विभिन्न पहल की है। इस मामले को सभी स्तरों पर द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकों के दौरान लगातार उठाया जाता है।

उन्होंने यूएनएससी पर भारत-चीन परामर्श के बाद पिछले साल चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणियों का भी उल्लेख किया। मुरलीधरन ने कहा कि प्रवक्ता ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा था कि चीन यूएनएससी सुधारों का समर्थन इस तरह से करता है जिससे निकाय के अधिकार और प्रभावकारिता में वृद्धि हो और विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व और आवाज बढ़े ताकि छोटे और मध्यम आकार के देशों को अधिक अवसर मिले।

वर्तमान में यूएनएससी में पांच स्थायी सदस्य और 10 गैर-स्थायी सदस्य देश शामिल हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा दो साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। पांच स्थायी सदस्य रूस, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और संयुक्त राज्य

अमेरिका हैं और ये देश किसी भी प्रस्ताव को वीटो कर सकते हैं। समकालीन वैश्विक वास्तविकता को प्रतिबिंबित करने के लिए स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने की मांग बढ़ रही है। भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और जापान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के प्रबल दावेदार हैं, जिसके पास अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

संयुक्त राष्ट्र की एक अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) प्रक्रिया सुधार के विभिन्न पहलुओं पर काम कर रही है, जिसमें सदस्यता की श्रेणियां, वीटो शक्ति और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। मुरलीधरन ने कहा, संयुक्त राष्ट्र महासभा के आईजीएन ढांचे के तहत वर्तमान में यूएनएससी सुधारों की प्रक्रिया पर चर्चा की जा रही है, जहां भारत समान विचारधारा वाले देशों के साथ वार्ता को तत्काल आधार पर शुरू करने पर जोर दे रहा है।

भारत जी-4 (भारत, जापान, ब्राजील और जर्मनी) और एल.69 समूह (एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों का एक क्रॉस क्षेत्रीय समूह) में अपनी सदस्यता के माध्यम से अन्य सुधार-उन्मुख देशों के साथ भी काम कर रहा है।

साइनबोर्ड में मराठी भाषा के इस्तेमाल के खिलाफ याचिका, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगी राय

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई की। महाराष्ट्र में दुकानों और प्रतिष्ठानों के नाम मराठी भाषा में प्रदर्शित करने के मामले पर हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में फेडरेशन ऑफ रिटेल ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर की गई है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महाराष्ट्र सरकार और अन्य संस्थानों से जवाब मांगा है। हाई कोर्ट के 23 फरवरी 2022 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस के एम जोसेफ और हृषिकेश राय की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार, मुंबई नगर निगम, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और अन्य से राय मांगी है।

याचिका में महाराष्ट्र की दुकान और प्रतिष्ठान (रोजगार और सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 में की गई संशोधन को चुनौती दी गई थी, जिसके अनुसार सभी दुकानों और प्रतिष्ठानों को मराठी में अपने नाम के साइनबोर्ड प्रदर्शित करने होंगे और लिखे गए नाम का आकार किसी भी दूसरी भाषा के समान रखना होगा। फेडरेशन ने कहा था कि यह संविधान के अनुच्छेद 13 (मौलिक अधिकारों के साथ असंगत या कम करने वाले कानून), 19 (भाषण की स्वतंत्रता के संबंध में कुछ अधिकारों का संरक्षण) और 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा) का उल्लंघन है।

हाई कोर्ट ने कहा था कि यह नियम बड़े पैमाने पर महाराष्ट्र की जनता की सुविधा के लिए है, जिसकी मातृभाषा मराठी है। अदालत ने आगे कहा कि याचिकाकर्ता यह बताने में विफल रहा है कि यह दुकानों में मौजूद साइनबोर्ड पर लिखे गए नाम की आवश्यकता खुदरा व्यापारियों को नहीं, बल्कि उन श्रमिकों और जनता के लिए है जो उनसे संपर्क करते हैं। हाई कोर्ट ने आगे कहा कि मराठी राज्य सरकार की आधिकारिक भाषा हो सकती है, लेकिन यह निर्विवाद रूप से राज्य की आम भाषा और मातृभाषा भी है।

असम में जापानी बुखार से 38 लोगों की मौत, 238 संक्रमित

गुवाहाटी, 22 जुलाई (एजेन्सी)। असम में पिछले तीन हफ्तों में जापानी बुखार से कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई, जबकि 238 लोग संक्रमित हो गए, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग को इस बीमारी से निपटने के लिए कई उपाय करने पड़े।

अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अनुसार, 1 जुलाई से 35 में से 20 से अधिक जिलों में दिमागी बुखार की बिमारी से संक्रमित होने के बाद कम से कम 38 लोगों की मौत हो चुकी है और 238 लोग इस बीमारी की चपेट में आये हैं।

एनएचएम अधिकारियों के निर्देश पर, स्थिति पर कड़ी नजर रखने और निवारक उपाय करने के लिए जिला रैपिड रिस्पांस टीमों का गठन किया गया है।

जापानी बुखार और मलेरिया हर साल असम में कई लोगों की जान लेते हैं, खासकर मानसून के मौसम के दौरान, जो आमतौर पर मई में शुरू होता है और अक्टूबर तक रहता है।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अविनाश जोशी व एनएचएम के निदेशक एम.एस. लक्ष्मी प्रिया जिला अधिकारियों के संपर्क में हैं और उन्हें स्थिति से निपटने के लिए सक्रिय रहने को कहा है।

एनएचएम ने जापानी इंसेफेलाइटिस के प्रकोप से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया और दिशानिर्देश भी जारी किए हैं।

जापानी बुखार के खिलाफ स्वास्थ्य कार्यकर्ता बड़े पैमाने पर जागरूकता फैला रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि पिछले साल जापानी बुखार के कारण कम से कम 40 लोगों की मौत हुई थी।

जापानी बुखार मुख्य रूप से मानसून के दौरान संक्रमित मच्छरों द्वारा फैलता है।

समान नागरिक संहिता लाने का फिलहाल विचार नहीं : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। समान नागरिक संहिता यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड पर केंद्र सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में बड़ी जानकारी दी। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि समान नागरिक संहिता से जुड़ी कुछ याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। ऐसे में सरकार ने अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। हालांकि, राज्य सरकारें ऐसा कानून लाने के लिए स्वतंत्र हैं।

रिजिजू ने कहा कि विधायी दखल से लैंगिक और धार्मिक रूप से निष्पक्ष समान कानून सुनिश्चित होते हैं। संविधान का अनुच्छेद 44 कहता है कि राज्य (भारत) पूरे देश के सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा।

उन्होंने कहा कि पर्सनल लॉ में आने वाले विषय जैसे शादी, तलाक, वसीयत, संयुक्त परिवार एवं विभाजन, संविधान की समवर्ती सूची से संबंधित है। इसलिए, इस संबंध में राज्यों को भी कानून बनाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि 21वें विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की है।

मनीष सिसोदिया को झूठे मामले में फंसाया जा रहा है : केजरीवाल

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नई एक्साइज ड्यूटी को लेकर डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया पर लग रहे आरोपों को बेबुनियाद बताया। केजरीवाल ने कहा, मनीष सिसोदिया कट्टर ईमानदार और देशभक्त आदमी है।

अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा झूठे मामले में फंसाया जा रहा है और उन्हें कुछ दिनों में गिरफ्तार भी किया जाएगा। केजरीवाल ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह सिसोदिया को 22 साल से जानते हैं और वह एक बेहद ईमानदार व्यक्ति हैं।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार की आबकारी नीति 2021-22 में नियमों के कथित उल्लंघन तथा प्रक्रियागत खामियों को लेकर इसकी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने की सिफारिश की है। सिसोदिया दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग के प्रमुख हैं।

एलजी पर निशाना साधते हुए दिल्ली के सीएम ने कहा, आपने सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया, जो स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बेहतरीन काम कर रहे थे और अब दिल्ली में लाखों बच्चों का करियर और जीवन बनाने वाले सिसोदिया को सलाखों के पीछे डालना चाहते हैं।

आबकारी नीति को लेकर लगे आरोपों से इनकार करते हुए केजरीवाल ने कहा, भाजपा हमारे पीछे है और वे अब देश भर में पार्टी के विस्तार से डरी हुई हैं। यह पूरी तरह से फर्जी मामला है। इसमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है।

इससे पहले शुक्रवार को दिल्ली एलजी वी.के. सक्सेना ने हाल ही में मुख्य सचिव द्वारा दिल्ली आबकारी अधिनियम 2009 के उल्लंघन की एक रिपोर्ट के बाद सीबीआई जांच की सिफारिश की।

उन्होंने आरोप लगाया कि सिसोदिया ने शराब लाइसेंसधारियों को अनुचित लाभ दिया है और उनसे प्राप्त हुए पैसों का इस्तेमाल पंजाब चुनाव में किया है।

केजरीवाल ने कहा, मुझे पता चला है कि मनीष सिसोदिया के खिलाफ मामले को सीबीआई के पास भेजा गया है और वे उन्हें कुछ दिनों में गिरफ्तार करने वाले हैं। इसमें लेशमात्र भी सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा, अदालत के समक्ष यह मामला टिक नहीं पाएगा। मनीष बेहद ईमानदार व्यक्ति हैं और वह पाक साफ साबित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता जेल जाने से नहीं डरते, क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है।

उन्होंने कहा, हम इनको बताना चाहेंगे कि हमें जेल से डर नहीं लगता है। तुम लोग सावरकर की औलाद हो, जिसने अंग्रेजों से माफी मांगी थी। हम भगत सिंह की औलाद हैं और उन्हीं को अपना आदर्श मानते हैं, जो अंग्रेजों के सामने झुकने से मना कर दिया और फांसी पर लटक गए।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली के मुख्य सचिव की इस महीने की शुरुआत में सौंपी गयी रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई जांच की सिफारिश की गयी है। इस रिपोर्ट से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) अधिनियम 1991, व्यापारिक लेनदेन की नियमावली-1993, दिल्ली आबकारी अधिनियम 2009 और दिल्ली आबकारी नियम 2010 के उल्लंघनों का प्रथम दृष्टया पता चलता है।

सूत्रों ने बताया कि उपराज्यपाल को शीर्ष राजनीतिक स्तर पर वित्तीय रियायतें दिए जाने के ठोस संकेत मिले हैं, जिसमें आबकारी मंत्री ने वैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन कर प्रमुख फैसले लिए, उन्हें लागू किया और आबकारी नीति अधिसूचित की, जिसके व्यापक वित्तीय असर पड़े।

कैलाश विजयवर्गीय का सीएम शिवराज पर निशाना, मतदाता सूची को बताया निगम चुनाव में हार की वजह

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। मध्यप्रदेश में नगरीय निकाय चुनावों के परिणाम के बाद सभी दल अपनी-अपनी समीक्षा में जुट गए हैं। भाजपा की नगर निगम में सात सीटें गंवाने के बाद हार के कारण तलाशे जाने लगे हैं। इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि नगर निगम चुनाव में सूची में गड़बड़ी की वजह से हजारों मतदाताओं द्वारा वोट नहीं डाल पाए, इसे लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से नाराजगी जताई है।

महासचिव विजयवर्गीय ने एक टीवी चैनल के साक्षात्कार में कहा, 'जो मतदाता सूची बनी, वह हमारे लिए अलार्मिंग थी। जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई करनी चाहिए।' उन्होंने सीएम शिवराज पर सवाल उठाते हुए कहा, 'उनका स्वभाव ही ऐसा है कि वे अफसरों पर ज्यादा भरोसा करते हैं। अगर इतना विश्वास वे कार्यकर्ताओं पर भी करते तो यह स्थिति नहीं बनती और निश्चित तौर पर हम देखेंगे कि इसमें चूक कहां हुई है? इसमें चुनाव आयोग व अधिकारी जिम्मेदार हैं। यह मामला जितना सीधा दिख रहा है, उतना है नहीं। यह मामला गंभीर है। सीएम को जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई करना चाहिए।'

विजयवर्गीय के पहले सतना जिले के मैहर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक नारायण त्रिपाठी भाजपा संगठन और सरकार पर निशाना साध चुके हैं। उन्होंने नगरीय निकाय चुनावों की प्रक्रिया पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग जैसी कोई व्यवस्था नजर ही नहीं आ रही है। अब चुनाव प्रक्रिया ही बंद करवा देना चाहिए और सदन की तरह हां और ना करवाकर प्रमाणपत्र एक दल विशेष के लोगों को दे देना चाहिए।

चुनावों में हार के बाद केंद्र सरकार में खाद्य संस्करण उद्योग मंत्रालय राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भी आत्ममंथन की सीख दे चुके हैं। प्रहलाद पटेल ने 17 जुलाई के ट्वीट कर कहा कि दमोह जिले के नगर निकाय चुनावों में किसी भी पार्टी को बहुमत न देने वाला खंडित जनादेश आत्ममंथन की सीख दे रहा है। जिसे मैं शिरोधार्य करता हूं। यह चुनाव परिणाम कम खर्चे वाली चुनावी राजनीति को मजबूती देने वाला है।'

मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार आनंद पांडेय कहते है कि कैलाशजी का बयान बहुत हद तक सही है। यह बात बिलकुल सही है कि शिवराज अफसरों पर ज्यादा भरोसा करते हैं। भाजपा भले ही यह कहती हो कि वह कार्यकर्ताओं की पार्टी है। लेकिन इस चुनाव में पार्टी ने अपने पुराने और मेहनती कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर नए चेहरों को अवसर दिया। इससे पार्टी के एक बहुत बड़े वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही हैं। इसी का परिणाम है कि इन चुनावों में भाजपा के पास से सात निगम हाथ से निकल गए। इनमें कई बड़े और अहम निगम शामिल हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी की एंट्री प्रदेश में हो गई। कहीं न कहीं इन मुद्दों पर भाजपा को मंथन तो करना होगा। आज कार्यकर्ताओं का एक बहुत बड़ा तबका संगठन के साथ साथ सरकार के काम करने के रवैए से भी नाराज नजर आ रहा है।

भाजपा ने 347 निकायों में से 256 में बढ़त दर्ज की है। लेकिन सात बड़े शहरों में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। इन चुनावों में कांग्रेस ने 58 निकाय में बढ़त ली है। भाजपा ने 16 नगर निगमों में से नौ जीत लिए हैं। कांग्रेस के खाते में पांच गए हैं। आम आदमी पार्टी से एक और एक निर्दलीय महापौर बने हैं। पिछली बार शहरों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ किया था, एक भी सीट नहीं जीतने दी थी। विधानसभा चुनाव से पहले बड़े शहरों में जीत कांग्रेस का कम बैक कहा जा रहा है।

वहीं, नगर पालिका की बात करें तो उसमें 76 में से 57 पर भाजपा का कब्जा है। कांग्रेस पहले भी 18 नगर पालिकाएं जीती थी, इस बार भी यही आंकड़ा रहा। निर्दलीयों और तीसरे मोर्चे को इस बार सिर्फ एक नगर पालिका में बहुमत मिला है। इनमें कई सीटें अभी भी फंसी हुई हैं क्योंकि अधिकतर जगह निर्दलीय ही निर्णायक हैं। वे जिसके साथ जाएंगे, अध्यक्ष उसका होगा।

जबकि नगर परिषदों में 255 में से 190 पर भाजपा का कब्जा है, जो पिछली बार से 43 ज्यादा है। यह आंकड़ा इतना बड़ा होने की एक वजह 29 नई नगर परिषदें जुड़ना भी है। इनमें भी अधिकतर पर भाजपा की जीत हुई है। कांग्रेस नगर परिषदों में 60 से घटकर 35 पर आ गई है। निर्दलीय और तीसरे मोर्चे का बहुमत 30 सीटों पर दिखा है, यह पहले 45 हुआ करता था। यहां भी कई सीटें अभी भी फंसी हुई हैं क्योंकि अधिकतर जगह निर्दलीय ही निर्णायक हैं। वे जिसके साथ जाएंगे, अध्यक्ष उसका ही होगा।

आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, हाईकोर्ट के आदेश को किया निरस्त

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने सपा विधायक आजम खान को जमानत देते हुई लगाई गई शर्तों से संबंधित इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के एक हिस्से को शुक्रवार को निरस्त कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस नयी प्रवृत्ति को लेकर 'परेशान' है, जहां अदालतें ऐसे मामलों का संदर्भ देती हैं जो जमानत के लिए प्रार्थना पर विचार करने से संबंधित नहीं होते। उच्चतम न्यायालय ने आजम खान को जमानत देते हुए लगाई गई शर्तों से संबंधित इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के एक हिस्से को शुक्रवार को निरस्त कर दिया, जिसमें उत्तर प्रदेश में रामपुर के जिलाधिकारी को जौहर विश्वविद्यालय परिसर से जुड़ी जमीन को कब्जे में लेने के निर्देश दिए गए थे।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि वह 'इस प्रवृत्ति को लेकर परेशान' है, जहां ऐसे मामलों का संदर्भ दिया जाता है जो जमानत के लिए प्रार्थना पर विचार करने से संबंधित नहीं होते। पीठ ने कहा कि अदालतों को अर्जी और उसके सामने रखे मामले तक सीमित रहना चाहिए।

पीठ ने कहा, 'हमें लगातार ऐसे आदेश मिलते रहे हैं। दो दिन पहले हमने इसी तरह के एक आदेश को रद्द किया था।' शीर्ष अदालत ने कहा, 'यह अब एक प्रवृत्ति बन गई है। जमानत और अग्रिम जमानत याचिका में आप जमानत याचिका और पेश मामले तक सीमित रहते हैं। अन्य मामले कैसे प्रासंगिक हो सकते हैं? यह एक नयी प्रवृत्ति है जो हम विभिन्न आदेशों में देख रहे हैं।'

पीठ ने इलाहबाद उच्च न्यायालय द्वारा जिलाधिकारी को जमीन को कब्जे में लेने का निर्देश देने वाली जमानत की शर्त को निरस्त करते हुए खान की जमानत से संबंधित अन्य शर्तों को बरकरार रखा। खान जौहर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। पीठ ने कहा, 'यह एक और मामला है, जहां हम पाते हैं कि उच्च न्यायालय ने उन मामलों का संदर्भ दिया जो संबंधित आरोपी के खिलाफ दर्ज अपराध से जुड़ी जमानत के लिए प्रार्थना पर विचार से संबंधित नहीं हैं।'

पीठ ने कहा कि राज्य की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने अदालत से अतिरिक्त शर्तें लगाने का आग्रह किया है कि खान को जमानत अवधि के दौरान रामपुर जिले में प्रवेश करने से परहेज करने का निर्देश दिया जाए। पीठ ने कहा, 'हम इस दलील से संतुष्ट नहीं हैं।' शीर्ष अदालत ने कहा कि अधिकारियों ने उच्च न्यायालय के फैसले में की गई टिप्पणियों पर कार्रवाई करते हुए कुछ परिसरों को सील करने सहित विभिन्न कार्रवाई शुरू की थी।'

पीठ ने कहा, 'राजस्व अधिकारियों या राज्य के अधिकारियों द्वारा 10 मई, 2022 के जमानत आदेश में की गई टिप्पणियों के संदर्भ में की गई सभी कार्रवाइयों को रिकॉर्ड से हटाया हुआ माना जाए।' हालांकि, पीठ ने कहा कि यह आदेश सक्षम प्राधिकारी को विश्वविद्यालय के प्रबंधन और

संपत्तियों के संबंध में अन्य सामग्री, दस्तावेजों या संबंधित कानून के तहत कार्रवाई शुरू करने के लिए उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर स्वतंत्र रूप से कार्रवाई शुरू करने से नहीं रोकेगा।

पीठ ने कहा, 'हम 18 मई 2022 के आदेश के संबंध में संयुक्त मजिस्ट्रेट/उप जिला मजिस्ट्रेट को निर्देश देते हैं कि संबंधित आदेश में संदर्भित संपत्ति को सील मुक्त करने के लिए तत्काल कदम उठाएं।' शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के 10 मई के आदेश के खिलाफ खान द्वारा दायर अपील सहित सभी अर्जियों का निपटारा कर दिया। शीर्ष अदालत की अवकाशकालीन पीठ ने 27 मई को खान पर लगाई गई जमानत की शर्त पर रोक लगा दी थी, जिसमें जिलाधिकारी को जौहर विश्वविद्यालय परिसर से जुड़ी जमीन पर कब्जा करने का निर्देश दिया गया था। पीठ ने कहा था कि प्रथम दृष्टया खान पर लगाई गई जमानत की शर्त असंगत थी और यह एक दीवानी अदालत के फरमान की तरह लगती है। उच्च न्यायालय ने 10 मई को खान को अंतरिम जमानत प्रदान करते हुए रामपुर के जिलाधिकारी को 30 जून तक जौहर विश्वविद्यालय के परिसर से जुड़ी शत्रु संपत्ति का कब्जा लेने और कंटीली तार के साथ चारदीवारी बनाने का निर्देश दिया था।

हर घर तिरंगा मुहीम पर राहुल गांधी ने पूछे सरकार से सवाल

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। 22 जुलाई, 1947 को तिरंगे को पहली बार भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया था, यानि आज का दिन देश के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस मौके पर राहुल गांधी ने केंद्र को निशाना बनाते हुए पूछा है कि, 'सिर्फ प्रचार में डूबे ये लोग चंद सवालों का दें जवाब, 52 सालों तक आरआरएस ने अपने मुख्यालय पर तिरंगा क्यों नहीं फहराया? खादी से राष्ट्रीय ध्वज बनाने वालों की आजीविका को नष्ट क्यों किया जा रहा है? चीन से मशीन निर्मित, पॉलिएस्टर झंडे के आयात की अनुमति क्यों दी गई?'

राहुल गांधी ने कहा, देश की शान है, हमारा तिरंगा, 75 साल पहले, 22 जुलाई 1947, यानी आज ही के दिन, तिरंगे को हमारे राष्ट्रध्वज के रूप में मान्यता दी गई थी। हमारे तिरंगे में केसरिया रंग साहस और बलिदान का प्रतीक है, सफेद रंग सच्चाई, शांति और पवित्रता की निशानी और हरे रंग को संपन्नता का प्रतीक माना जाता है। सफेद रंग पर बने अशोक चक्र की 24 तीलियों का भी एक विशेष मतलब है, ये तीलियां इंसान के 24 गुणों को दर्शाती हैं। तिरंगे से जुड़ी एक अहम बात ये भी है कि तिरंगा हमेशा कॉटन, सिल्क या फिर खादी का ही होना चाहिए।

जिस तिरंगे के लिए हमारे देश के कई लोग शहीद हुए, उस तिरंगे को एक संगठन ने अपनाने से मना कर दिया, 52 सालों तक नागपुर में अपने मुख्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया, लगातार तिरंगे को अपमानित किया गया और आज उसी संगठन से निकले हुए लोग तिरंगे का इतिहास बता रहे हैं, 'हर घर तिरंगा' मुहिम की योजना बना रहे हैं।

देश में 'फ्लैग कोड ऑफ इंडिया' (भारतीय ध्वज संहिता) नाम का एक कानून है, जिसमें तिरंगे को फहराने के नियम निर्धारित किए गए हैं। इन नियमों का उल्लंघन करने वालों को जेल भी हो सकती है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच अपने-अपने घरों में राष्ट्रध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा' मुहिम को मजबूत करने की शुक्रवार को अपील की।

मोदी ने ट्वीट के जरिए कहा कि, यह मुहिम तिरंगे के साथ हमारे जुड़ाव को गहरा करेगी। उन्होंने उल्लेख किया कि 22 जुलाई, 1947 को ही तिरंगे को राष्ट्रध्वज के रूप में अपनाया गया था।

केरल में मंकीपॉक्स का तीसरा केस

तिरुवनंतपुरम, 22 जुलाई (एजेन्सी)। केरल में शुक्रवार को तीसरा मंकीपॉक्स का मामला मिला है। मलप्पुरम जिले में संयुक्त अरब अमीरात से आया एक युवक संक्रमित मिला है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

युवक को आइसोलेट कर जिले के मंजेरी स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह राज्य और देश में तीसरा मामला है, पहला मामला 14 जुलाई को दर्ज किया गया था, जब एक युवक संयुक्त अरब अमीरात से आया था, वह कोल्लम में संक्रमित पाया गया। कुछ दिनों बाद, दुबई से आए एक अन्य पुरुष का परीक्षण किया गया, वह भी संक्रमित पाया गया।

इस बीच, राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने शुक्रवार को स्वास्थ्य अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा कि मंकीपॉक्स से डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि चीजें पूरी तरह नियंत्रण में हैं और स्वास्थ्य अधिकारी इससे निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

प्रदेश के सभी 14 जिलों में आइसोलेशन वार्ड तैयार किए गए हैं और राज्य के चारों हवाईअड्डों पर आने वाले यात्रियों की निगरानी के लिए विशेष स्वास्थ्य डेस्क खोली गई है। इससे निपटने के लिए सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रशिक्षित भी किया जा रहा है।

बेतहाशा महंगाई पर .....

की सरकार प्रतीत हो रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा जीएसटी लागू करने से बढ़ी बेतहाशा महंगाई का प्रभाव पूरे देशवासियों पर पड़ा है। इसके विरोध में देश में केंद्र विरोधी आंदोलन के संभावना को देखते हुए भाजपा सरकार विपक्षी पार्टियों, खासकर कांग्रेस के प्रभावशाली और बड़े नेताओं पर ईडी लगाकर सुनियोजित तरीके से उन्हें दबाने की कोशिश कर रही है। सिक्किम प्रदेश कांग्रेस इसका तीव्र वृद्धि विरोध करती है। ऐसा करना भाजपा के एक जन विरोधी एवं लोकतंत्र विरोधी पार्टी होने का सबूत है।

आजादी का अमृत .....

आईपीआर सलाहकार बीरेन्द्र तामलिंग ने आजादी के अमृत महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विभाग द्वारा फोटो प्रदर्शनी एवं फिल्म स्क्रीनिंग के माध्यम से सिक्किम के इतिहास एवं समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करने हेतु विभाग के पहल की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने विभाग से थीम आधारित इवेंटों के माध्यम से ऐसी पहलों को जारी रखने का आग्रह किया।

इससे पहले आईपीआर निदेशक श्रीमती बेनु गुरुंग ने अपने स्वागत भाषण में कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने गत 12 मार्च, 2022 को लांच हुए आजादी के अमृत महोत्सव के बैनर तले विभाग की विभिन्न गतिविधियों का भी जिक्र किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में शामिल होकर अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आग्रह किया।

उल्लेखनीय है कि सिक्किमवासियों द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव अभियान को पूरे जोश-खरोश के साथ अपनाते हुए इसके आयोजन हेतु कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। वहीं सिक्किम सरकार भी 'जन भागीदारी' का संदेश देते हुए आजादी का अमृत महोत्सव अभियान में विभिन्न गतिविधियों को जोडने पर बल दे रही है।

मछली पालन को .....

बिक्री के लिए किया जाएगा। रेनबो ट्राउट, अमूर कार्प, ग्रास कार्प, तिलापिया, असला और कैटली सहित ताजी मछलियां नए उद्घाटन मछली बाजार से जनता के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी।

कार्यक्रम में 'मछली बाजार में स्वच्छ अभ्यास' पर एक ताड़ की थाली का विमोचन भी देखा गया। मंत्री शर्मा ने स्थानीय मछली विक्रेताओं को कूड़ेदान भी सौंपे। इससे पहले, मत्स्य निदेशालय ने राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड, हैदराबाद के समर्थन में एक मछली बाजार सफाई और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया था। कार्यक्रम में गंगटोक नगर निगम के सलाहकार, मत्स्य पालन निदेशक एन. जसवंत, मत्स्य निदेशालय के अधिकारी, विभिन्न जिलों के प्रगतिशील मछली किसान भी उपस्थित थे।

शिक्षक भर्ती घोटाले में बंगाल के दो मंत्रियों के घर ईडी के छापे, ममता सरकार की मुसीबत बढ़ी

कोलकाता, 22 जुलाई (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल के स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) से जुड़े शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार घिरती जा रही है। आज प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता में राज्य के दो मंत्रियों- पार्थ चटर्जी और परेश अधिकारी के घरों पर छापेमारी की।

ईडी के सूत्रों के अनुसार ईडी के कम से कम सात से आठ अधिकारी सुबह लगभग साढ़े आठ बजे चटर्जी के आवास नकतला पहुंचे। ईडी की टीम ने सुबह करीब 11 बजे तक छापेमारी की। इस दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कर्मी बाहर तैनात रहे।

प्रवर्तन निदेशालय ने तलाशी के दौरान अर्पिता मुखर्जी के आवासीय परिसर से करीब 20 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की है। अर्पिता मुखर्जी पार्थ चटर्जी (पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री) की करीबी सहयोगी हैं।

पार्थ चटर्जी अभी उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री हैं, वे उस समय शिक्षा मंत्री थे, जब कथित घोटाला हुआ था। सीबीआई दो बार उनसे पूछताछ कर चुकी है। पहली बार पूछताछ 25 अप्रैल, जबकि दूसरी बार 18 मई को की गई थी। पश्चिम बंगाल के शिक्षा राज्यमंत्री अधिकारी से भी सीबीआई पूछताछ कर चुकी है। इसके अलावा उनकी बेटी स्कूल शिक्षक की अपनी नौकरी गंवा चुकी हैं। अधिकारी ने पत्रकारों से कहा कि वह फोन पर अपने परिवार से बात नहीं कर पा रहे हैं।

मंत्री अधिकारी ने कहा, 'ईडी अफसरों ने आज हमारे घर पहुंचने की योजना के बारे में हमें नहीं बताया। मैं 21 जुलाई को हुई तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली के बाद कोलकाता में ही हूं। अगर मैं वहां होता तो उन्हें मूड़ी खिलाता।'

ईडी के अधिकारियों ने कोलकाता के जादवपुर इलाके में स्थित पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य के आवास पर भी छापेमारी की। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग की सिफारिशों पर सरकार द्वारा प्रायोजित व सहायता प्राप्त स्कूलों में समूह 'सी' और 'डी' के कर्मचारियों व शिक्षकों की भर्ती में हुई कथित अनियमितताओं की जांच कर रहा है। घोटाले में तत्कालीन शिक्षा मंत्री चटर्जी और शिक्षा राज्यमंत्री परेश चंद्र अधिकारी भी आरोपों से घिरे हैं। यह जांच कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर हो रही है। ईडी ने मामले में अवैध लेनदेन के आरोपों की जांच के लिए जांच शुरू की है।

राष्ट्रपति चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग पैटर्न का अध्ययन करेगी बीजेपी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। सूत्रों के अनुसार 100 से अधिक विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की और एक दर्जन से अधिक विपक्षी सांसदों ने द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान किया।

आम चुनाव से पहले, विपक्ष को करारा झटका लगा है, जैसा कि राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम से पता चलता है। परिणाम का भाजपा अध्ययन कर रही है, क्योंकि एक दर्जन से अधिक राज्यों में विपक्षी विधायकों और सांसदों ने द्रौपदी मुर्मू को वोट दिया है। सूत्रों के अनुसार 100 से अधिक विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की और एक दर्जन से अधिक विपक्षी सांसदों ने द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान किया।

आंकड़ों के अनुसार, असम विधानसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष को 45 वोट होने के बावजूद 20 वोट मिले, बिहार में छह विधायकों ने एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में क्रॉस वोट किया, क्योंकि सत्तारूढ़ दल की ताकत 127 है, लेकिन 133 वोट मिले। इसी तरह छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के दो विधायकों ने यशवंत सिन्हा को वोट नहीं दिया। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि किस विधायक ने एनडीए उम्मीदवार को वोट दिया।

भाजपा सूत्रों ने कहा कि वे इस बात का अध्ययन करेंगे कि कितने विधायक प्रधानमंत्री की विकास की राजनीति से प्रभावित हैं और फिर इस पर विचार करेंगे। हालांकि पार्टी नेताओं का दावा है कि एकतरफा जीत की बहुत उम्मीद थी।

बड़ा झटका गुजरात से लगा जहां 10 विपक्षी विधायकों ने द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में वोट किया। राज्य में इस साल चुनाव होने हैं और चुनाव में कांग्रेस का भविष्ट दांव पर है।

मध्य प्रदेश में जहां कांग्रेस द्वारा विधायकों को खरीदने का आरोप लगाया गया है, वहीं पार्टी के करीब 15 से 16 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की, जो कमलनाथ के लिए बड़ा सिरदर्द है। महाराष्ट्र में एक दर्जन से ज्यादा गैर एनडीए विधायकों ने मुर्मू को वोट दिया। उन्होंने केरल में भी वोट हासिल किए, जहां बीजेपी का कोई विधायक नहीं है।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए कुल 4,754 मत पड़े थे, जिसकी प्रक्रिया गुरुवार को परिणाम घोषित होने के साथ समाप्त हो गई।

अंतिम मिलान से पता चला कि डाले गए कुल मतों में से 4701 वैध और 53 अमान्य थे। भारत के 15वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को 2,824 प्रथम वरीयता वोट मिले, जिसका मूल्य 6,76,803 है। जीत का कट-ऑफ अंक 5,28,491 है। संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को 3,80,177 के मूल्य के साथ 1,877 वोट मिले।

रेल किराये में वरिष्ठ नागरिकों को छूट खत्म करने पर नाराज वरुण गांधी, कहा- फैसला दुर्भाग्यपूर्ण

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने एक बार फिर अपनी ही सरकार को निशाने पर लिया है। रेल किराए में वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट को खत्म किए जाने पर सवाल उठाते हुए वरुण गांधी ने केंद्र सरकार से सवाल किया। पूछा कि एक ओर जहां सांसदों को रेल किराये में रियायत मिल रही है, वहीं बुजुर्गों को दी जाने वाली इस छूट को बोझ के तौर पर क्यों देखा जा रहा है। वरुण गांधी ने विमानों की आपात लैंडिंग पर भी सरकार की नीति को निशाने पर लिया।

भाजपा सांसद पिछले काफी वक्त से अपनी पार्टी की उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। उनके बयान कई बार पार्टी की मुश्किल भी खड़ी कर देते हैं। वरुण गांधी ने सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए विमानों की आपात लैंडिंग और रेल किराए में वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली छूट को समाप्त करने पर सवाल उठाए।

तकनीकी खामियों के चलते बार-बार विमानों को आपात स्थिति में उतारे जाने की घटनाओं पर वरुण गांधी ने चिता जताई। कहा कि जब घरेलू उड़ान सेवाओं के किराये की दरें लगभग दोगुनी हो गई हैं, तब भी ऐसी स्थिति चिंता पैदा करने वाली हैं। वरुण ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से कड़े कदम उठाने का आग्रह किया और पूछा कि क्या वह किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहा है।

भाजपा नेता ने कहा कि पिछले दो महीने में 17 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुई हैं, जो 'बहुत चिंताजनक' है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायत खत्म करने के रेल मंत्रालय के फैसले को वरुण गांधी ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सरकार से इस पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि अपने ही लोगों को उनके जीवन के इस मोड़ पर अकेला छोड़ देने का फैसला असंवेदनशील है।

बता दें कि हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद को सूचित किया था कि यात्रियों को रियायतें देने से रेलवे पर भारी बोझ पड़ता है। उन्होंने सभी श्रेणियों में यह सुविधा बहाल करने से इनकार कर दिया था। महिला वरिष्ठ नागरिकों को सभी श्रेणी के रेल किराये में 50 प्रतिशत की छूट मिलती थी, जबकि पुरुषों और समलैंगिकों के मामले में यह रियायत 40 प्रतिशत थी। किसी महिला के लिए रियायत का लाभ उठाने की न्यूनतम आयु सीमा 58 साल, जबकि पुरुषों के लिए 60 वर्ष थी।

सीबीआई जांच की सिफारिश पर भड़के केजरीवाल

हम भगत सिंह की और तुम सावरकर की औलाद

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से दिल्ली सरकार की एक्साइज पॉलिसी की सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे झूठा केस बताया है। आबकारी विभाग संभालने वाले मनीष सिसोदिया को कट्टर ईमानदार बताते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में हो रहे अच्छे काम को रोकने के लिए उन्हें जेल भेजने की तैयारी की गई है। आम आदमी पार्टी के संयोजक ने बिना नाम लिए भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए वीर सावरकर और भगत सिंह का भी जिक्र किया। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब में जीत के बाद आम आदमी पार्टी की देशभर में आंधी है और इसे रोकने की कोशिश में कीचड़ उछाला जा रहा है।

अरविंद केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया को क्लीनचिट देते हुए कहा, ''जेल से हमें डर नहीं लगता। तुम सावरकर की औलदा हो, तुम लोग सावरकर की औलाद हो, जिसने अंग्रेजों से माफी मांगी थी। हम भगत सिंह की औलाद हैं, हम भगत सिंह को अपना आदर्श मानते हैं, जिसने अंग्रेजों के सामने झुकने से मना कर दिया और फांस पर लटक गए। हमें जेल और फांसी से डर नहीं लगता। कई बार जेल हो आए हैं।'' केजरीवाल ने एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वह सिसोदिया को 22 साल से जानते हैं और वह एक 'बेहद ईमानदार' व्यक्ति हैं।

अरविंद केजरीवाल ने अपने बुराने बयानों का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने पहले ही कह दिया था कि मनीष सिसोदिया को जेल में डाला जा सकता है।

केजरीवाल ने कहा, ''सीबीआई जल्द ही एक फर्जी केस में मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार करने वाली है। मनीष एक कट्टर ईमानदार आदमी हैं, जिन पर झूठे आरोप लगाये जा रहे हैं। अब देश में नया सिस्टम लागू हो गया है। पहले तय किया जाता है किसे जेल भेजना है, फिर उसके खिलाफ फर्जी केस बनाया जाता है।'' केजरीवाल ने कहा, ''

मुझे पता चला है कि मनीष सिसोदिया के खिलाफ मामले को सीबीआई के पास भेजा गया है और वे उन्हें कुछ दिनों में गिरफ्तार करने वाले हैं। इसमें लेशमात्र भी सच्चाई नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''अदालत के समक्ष यह मामला टिक नहीं पाएगा। मनीष बेहद ईमानदार व्यक्ति हैं और वह पाक साफ साबित होंगे।''

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार की आबकारी नीति 2021-22 में नियमों के कथित उल्लंघन और प्रकिया खामियों को लेकर इसकी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने की सिफारिश की है। सिसोदिया दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग के प्रमुख हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली के मुख्य सचिव की इस महीने की शुरुआत में सौंपी गयी रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई जांच की सिफारिश की गई है। इस रिपोर्ट से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) अधिनियम 1991, व्यापारिक लेनदेन की नियमावली-1993, दिल्ली आबकारी अधिनियम 2009 और दिल्ली आबकारी नियम 2010 के उल्लंघनों का पता चलता है।

खादी झंडा बनाने वालों की बात संवेदना से सुने मोदी सरकार : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को कहा कि मोदी सरकार को खादी से झंडा बनाने वालों की बात सुननी चाहिए और आयातित झंडे की बजाए खादी से बने झंडे खरीदने का संवेदनशील निर्णय लेना चाहिए। वाड्रा ने कहा कि सरकार को अपना फैसला बदलकर हजारों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया बने खादी के झंडे के प्रसार को बढ़ाने वाले कदम उठाने चाहिए।

इससे जुड़े हजारों कारीगरों और उनके परिवारों के सामने झंडे खरीदने की नई नीति के कारण संकट पैदा हो जाएगा,इसलिए खादी के झंडे खरीदने का सरकार को फैसला लेना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, 'विजयी विश्व तिरंगा ख़यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा।' ये मात्र शब्द नहीं हैं, 140 करोड़ भारतीयों की भावना है। हमारा झंडा विविध रंग, रूप, स्थान, बोली-भाषाओं, खान-पान व मान्यताओं वाले देश में एकजुटता, गौरव, सहिष्णुता, त्याग, बलिदान व आत्मबल का प्रतीक है।

वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए कहा 'मोदी जी खादी से बना तिरंगा देश के आत्मबल को दर्शाता है और इससे लाखों लोगों की जीविका जुड़ी है। आज के ऐतिहासिक दिन पर आशा है कि आप खादी से झंडा बनाने वालों की बात सुनेंगे और उनकी मांग पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेंगे।' कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने भी खादी के झंडे पर मोदी सरकार की फैसले का विरोध किया और कहा कि कभी खादी पहनने की सलाह देने वाले मोदी अब खादी के झंडों से दूरी बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पाखंड जिंदाबाद! खादी से राष्ट्रीय ध्वज बनाकर अपनी आजीविका का निर्वहन करने वाले लोगों के जीवन पर कुठाराघात हो रहा है, वह भी उस खादी के लिए जिसे कभी नेहरू ने भारत की स्वतंत्रता की पोशाक के रूप में वर्णित किया था। वह भी उस व्यक्ति से जो उस नागपुर के उस संगठन के प्रचारक से जहां राष्ट्रीय ध्वज फहराने में 52 साल लगे।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR VULTURE EVENING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:186 DrawDate on:22/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 40G 21709
Cons. Prize ₹1000/- 21709 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
00339 00743 17991 19750 23215 27482 39720 52446 78965 86258
3rd Prize ₹450/-
0033 0291 0650 3115 3264 4521 4545 4655 8446 8877
4th Prize ₹250/-
0382 1761 2420 2939 5151 7260 7606 7833 9100 9110
5th Prize ₹120/-
0020 0121 0277 0301 0488 0543 0586 0629 0644 0697
0837 0906 1115 1538 1645 1681 2048 2057 2112 2227
2264 2294 2590 2744 2942 2945 2962 3075 3082 3114
3304 3516 3708 3723 3727 3839 3981 4014 4048 4063
4270 4290 4296 4564 4596 4702 4718 4911 5132 5155
5261 5360 5389 5726 5773 5796 5898 6062 6121 6131
6255 6347 6574 6628 6645 6683 6697 6785 6799 6803
7170 7179 7548 7630 7672 7819 7922 8031 8062 8103
8467 8475 8494 8533 8721 8919 9358 9363 9613 9614
9658 9664 9700 9711 9792 9828 9895 9923 9931 9934
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR HOOGHLY MORNING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:86 DrawDate on:22/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 74J 58871
Cons. Prize ₹1000/- 58871 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
04809 14873 16184 47045 49961 52345 79385 90383 94029 99810
3rd Prize ₹450/-
0895 2478 2764 4852 5238 6352 7445 8769 9444 9923
4th Prize ₹250/-
0663 1867 2275 2413 2637 3124 5431 5721 6222 9060
5th Prize ₹120/-
0119 0144 0149 0184 0481 0729 1082 1132 1215 1267
1285 1503 1527 1626 1842 2236 2315 2372 2437 2533
2536 2602 2616 2701 2933 3138 3284 3322 3366 3370
3402 3473 3512 3521 3583 3617 3971 4044 4110 4172
4279 4338 4382 4554 4605 4636 4676 4679 4831 4835
4958 4979 4998 5046 5092 5099 5205 5217 5249 5645
5803 5890 6126 6141 6555 6604 6643 6723 6896 6903
6981 7078 7100 7324 7429 7693 7985 8013 8026 8028
8080 8144 8334 8398 8686 8740 8878 9003 9049 9058
9067 9137 9146 9176 9337 9510 9520 9672 9907 9978
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR EARTH FRIDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:86 DrawDate on:22/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 92L 83673
Cons. Prize ₹1000/- 83673 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
19607 25808 27336 29441 46821 59996 62059 65997 68459 89764
3rd Prize ₹450/-
1954 2254 4919 6278 6334 6528 6540 8341 8514 9386
4th Prize ₹250/-
2743 3529 4659 5103 5791 7224 7284 7958 8543 8726
5th Prize ₹120/-
0020 0100 0213 0220 0256 0802 0838 1040 1134 1294
1301 1399 1434 1582 1654 1905 2223 2266 2417 2538
2673 2799 2861 3117 3121 3175 3218 3222 3227 3298
3346 3457 3486 3547 3768 3780 3830 3840 4004 4077
4107 4142 4186 4210 4215 4292 4549 4720 4782 4872
4941 4959 5195 5387 5496 5585 5699 5767 5782 5996
6012 6070 6101 6499 6568 6675 6686 6690 6693 6762
6884 7027 7072 7175 7306 7672 7675 7711 7926 7928
7954 7979 8029 8116 8143 8145 8146 8174 8201 8224
8427 8466 8911 8924 9280 9399 9505 9832 9888 9916
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

द्रौपदी मुर्मू से उम्मीदें

उम्मीदों के अनुरूप ही एनडीए की ओर से राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को विशाल मतों के अंतर से विजयी घोषित की गईं। इस प्रकार देश को 15वां राष्ट्रपति मिला। वह देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति और पहली आदिवासी राष्ट्रपति होंगी। इस मौके पर देश को अब तक मिले राष्ट्रपतियों की सूची पर नजर डालें तो इसमें एक से एक गौरवान्वित महसूस कराने वाले नाम मिलते हैं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद और सर्वपल्ली राधाकृष्णन से लेकर रामनाथ कोविंद तक सभी ने राष्ट्रपति पद पर रहते हुए किसी न किसी रूप में अपने व्यक्तित्व की छाप छोड़ी है। मगर कुछ छापें ऐसी गहरी पड़ी हैं, जो याद दिलाती हैं कि यह संवैधानिक पद पद भले ही शासन से जुड़े रोजमर्रा के फैसलों से ऊपर और राजनीतिक सत्ता से अलग हो, इसमें निहित प्रभाव इसे विशिष्ट बनाए रखता है। यह प्रभाव ही इसे असाधारण परिस्थितियों में राष्ट्र का मार्गदर्शन करने और सामान्य परिस्थितियों में उसे प्रेरित करने की क्षमता से लैस करता है। कुछ राष्ट्रपतियों के कार्यकाल में विवाद भी बेशक हुए हैं, लेकिन ये विवाद राष्ट्रपति पद की शोभा नहीं बढ़ा सके। पद की शोभा बढ़ी उन राष्ट्रपतियों के कार्यकाल में, जिन्होंने इसकी मर्यादा और संवैधानिक सीमाओं का ख्याल रखते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह किया। इस लिहाज से देखें तो राष्ट्रपति पद की गरिमा सुरक्षित रखते हुए सरकार पर विवेक का अंकुश बनाए रखने की जो मिसाल दसवें राष्ट्रपति के आर नारायणन ने पेश की, वह आगे के राष्ट्रपतियों के लिए प्रेरणा बनी। यही नहीं, 11वें राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने जिस तरह अपने व्यक्तित्व की सादगी से असंख्य देशवासियों और खास तौर पर बच्चों, विद्यार्थियों को प्रभावित किया, वह भी अद्वितीय है। इन उदाहरणों की रोशनी में द्रौपदी मुर्मू के शुरू होने वाले कार्यकाल को देखें तो उनसे अपेक्षाएं ढेर सारी हैं। वह ऐसे समय राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभाल रही हैं, जब देश में तीखा राजनीतिक विभाजन है। विपक्ष और सत्ता पक्ष के मतभेद सामान्य राजनीतिक मतभेदों की सीमा से आगे जा चुके हैं। दोनों अक्सर एक-दूसरे को देश के लिए खतरनाक करार देने की हद तक चले जाते हैं। ऐसे में द्रौपदी मुर्मू का व्यक्तित्व एक ऐसे सर्वसमावेशी रूप में सामने आया, जहां राजनीतिक विरोध क्षीण पड़ते दिखाई देने लगे। जो पार्टियां विपक्षी प्रत्याशी का चयन करने में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही थीं, वे भी द्रौपदी के नाम पर अपना विरोध शिथिल करने को मजबूर हुईं और कुछेक दलों ने तो बाकायदा उनके पक्ष में वोट तक किया। दलीय राजनीति के गुणा-भाग में इसे चाहे जिसका भी फायदा या घाटा बताया जाए, राष्ट्र और लोकतंत्र के लिए सर्वोच्च पद पर ऐसे उदात्त व्यक्तित्व का आना एक अच्छी खबर है।

महंगाई के सवाल पर विपक्ष का हंगामा, चर्चा कराने के नाम पर सरकार खामोश

शशिधर पाठक

एक मशहूर कहावत है, आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया, नतीजा ठन...ठन...गोपाल। बढ़ती महंगाई के दौर में देश के निम्न, मध्य वर्ग की हालत कुछ ऐसी ही हो रही है। विपक्ष ने इसको लेकर शुक्रवार को फिर संसद में हंगामा, धरना-प्रदर्शन किया और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने नियम-267 के तहत चर्चा कराने की मांग की। कोरोना महामारी के बाद से बाजार संभलने के लिए वस्तुओं, सेवाओं के तेजी से दाम बढ़ा रहा है। इसके सामानांतर केंद्र सरकार ने भी वस्तुओं, सेवाओं के दाम में बढ़ोत्तरी को हरी झंडी दे दी है। नतीजतन मार्च 2022 से जुलाई 2022 तक यह पांचवां महीना है, जब खुदरा मंहगाई दर छह फीसदी के ऊपर चल रही है। इस समय यह 7.8 फीसदी के आस-पास बताई जा रही है।

अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 7.79, मई में 7.97 और जून में 7.75 थी। जून के महीने में मुद्रास्फीति दर 7.04 तो जून में 7.01 फीसदी थी। विपक्ष के नेता का आरोप है कि देश की जनता एक तरफ महंगाई, बेरोजगारी से त्रस्त है। लोगों के पास काम-धंधा नहीं है और दूसरी तरफ देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है। सरकार ने भी रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल के दाम बेतहाशा बढ़ा रखे हैं। ऊपर से दाल, चावल, दही, मुरमुरा आदि जैसे रोजमर्रा की खाने-पीने की चीजों को भी जीएसटी के दायरे में लाकर जनता की मुसीबत बढ़ाई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश तो तंज कसते हुए कहते हैं कमरतोड़ महंगाई है, आगे और लड़ाई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसके लिए केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है।

प्रॉक्टर एंड गैंबेल के पूर्व सीईओ और प्रबंध निदेशक (स्ट्रेटजिक) गुरुचरण दास के मुताबिक इस समय महंगाई है। जनता मंहगाई के कारण थोड़ी मुश्किल दौर से गुजर रही है। रसोई गैस सिलेंडर के दाम 1000 रुपये से अधिक हैं। हालांकि गुरुचरण दास इसकी वजहों में कोरोना महामारी और अंतरराष्ट्रीय स्थितियों को प्रमुख मानते हैं। लेकिन उनका कहना है कि ऐसे समय में केंद्र सरकार और इसके रणनीतिकारों को दूध, दही, आटा, दाल, चावल मुरमुरा जैसी सामान्य जरूरत की वस्तुओं पर जीएसटी लगाने से बचना चाहिए था। यह ठीक नहीं हुआ। देश में बढ़ रही महंगाई को लेकर देश के पूर्व आर्थिक सलाहकार कौशिक बसु ने भी ट्वीट के माध्यम से अपनी राय रखी है।

बसु ने कहा कि अमेरिका में महंगाई के बढ़ते स्तर को कुछ लोग भारत के परिप्रेक्ष्य में अच्छा मान रहे थे, लेकिन हुआ इसका विपरीत। वह कहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर हो रहा है और नतीजन भारत ने महंगाई का आयात कर लिया है। दरअसल यह कौशिक बसु का एक तंज भी है। जहां वह भारतीय रणनीतिकारों की नीति पर कुछ कह रहे हैं। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम से ऐसे विषय पर जब भी चर्चा कीजिए, उनका एक बयान जरूर रहता है। वह कहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में इसके रणनीतिकारों के पास भारतीय अर्थव्यवस्था के आधारभूत संरचना की ढंग से समझ ही नहीं है। अर्थशास्त्री सारथी आचार्य का भी कहना है कि महंगाई बढ़ रही है। महंगाई का लगातार बने रहना ठीक नहीं है।

भारत में मुद्रस्फीति की दर को छह फीसदी से ऊपर जाने को अच्छा नहीं माना जाता। यह जनता पर महंगाई के बोझ के तौर पर लिया जाता है। अर्थशास्त्र में महंगाई की सामान्य अवधारणा यही है कि जब सामान्य मूल बढ़ते हैं, तब मुद्रा की हर इकाई की क्रय शक्ति में कमी आती है। इस तरह से मुद्रास्फीति की ऊंची दर जनता के लिए नुकसानदेह है और निर्धनता (गरीबी) फैलाती है। इसका निवेशक, बचतकर्ता, किसान, ऋण देने और लेने वाले पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। महंगाई भुगतान संतुलन, सार्वजनिक ऋण, उत्पादन समेत सभी पर असर डालती है।

महंगाई के सवाल पर केंद्र सरकार के मंत्री और अधिकारी अभी कुछ नहीं बोलना चाहते। आटा, दाल, चावल, दही, दूध आदि पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाए जाने के बाद एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का बयान आया था। उन्होंने कहा कि इन वस्तुओं पर पहले भी जीएसटी लगता था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बाद में 14 ट्वीट करके इस मुद्दे पर सफाई देने की कोशिश की। निर्मला सीतारमण ने कहा कि पहले सामान्य जरुरत की वस्तुओं पर वैट आदि के माध्यम से कर लिया जाता था।

हालांकि उन्होंने कहा कि आटा, दाल जैसे 25 किग्रा तक के पैकेट पर जीएसटी नहीं लगेगी। लेकिन वित्त मंत्री के इस बयान से तमाम अर्थशास्त्री इत्तेफाक नहीं रखते। उनका कहना है कि इससे आम जनता को कोई राहत नहीं मिलने वाली है। निर्मला के सामानांतर वित्त मंत्रालय के अधिकारी दबी जुबान से मानते हैं कि देश में मंहगाई है, लेकिन सब कुछ भारत के हाथ में नहीं है। एक संयुक्त सचिव के मुताबिक उदारीकरण के दौर में भारत अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुका है। इसका असर तो आएगा।

दूसरी तरफ अर्थशास्त्र के मामले में समझ रखने वाले भाजपा के प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल इस मुद्दे पर ठीक से जवाब नहीं दे पा रहे हैं। जीएसटी की दरों को लेकर वह कहते हैं कि वित्त मंत्री ने इस मामले में जवाब दे दिया है। वह इस जवाब से संतुष्ट हैं। महंगाई के सवाल पर गोपाल कृष्ण अग्रवाल कहते हैं कि इससे इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि वह इसका एक बड़ा कारण अंतरराष्ट्रीय स्थितियों, कोरोना महामारी को मानते हैं। गोपालकृष्ण का कहना है कि महंगाई को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक कई प्रयास कर रहा है। ऐसा लग रहा है कि अगले कुछ महीनों में महंगाई पर काबू पाया जा सकेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक और केंद्रीय वित्त मंत्रालय के लिए यह एक बड़ी चुनौती है। अर्थशास्त्री एसके सिंह को ऐसी कोई उम्मीद फिलहाल नहीं दिखाई दे रही है। सिंह कहते हैं कि घरेलू स्तर पर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसा संकेत कम दिखाई दे रहा है। गुरुचरण दास कहते हैं कि केंद्र सरकार उपाय कर रही है, उम्मीद है कि जल्द महंगाई पर काबू पाया जा सकेगा। हालांकि इसके लिए डालर के मुकाबले रुपये की स्थिति, कच्चे तेल के दाम अंतरराष्ट्रीय कारक महत्वपूर्ण हैं। यूरोप से लौटकर आए आरके छाबड़ा को भारतीय कारकों का अध्ययन करने के बाद लगता है कि महंगाई पर गंभीरता से काबू पाने की कोशिशों को लागू करने के बाद इसका असर दिखाई देने में दो-तीन महीने लग सकते हैं।

कई शंकाओं और सवालों का जवाब

विजय त्रिवेदी

आजादी का अमृत महोत्सव मनाते वक्त देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मिलना हमारी लोकतंत्रीय व्यवस्था में न केवल विश्वास को जाहिर करता है, बल्कि यह उन लोगों के मुंह पर तमाचा भी माना जा सकता है, जो भारत को आजादी देते वक्त हमारी लोकतंत्रीय समझ पर सवाल उठाने के साथ-साथ मजाक बना रहे थे। हमने इन 75 साल में सर्वोच्च सांविधानिक पद पर कमोबेश मुल्क के सभी वर्गों को नुमांइदगी देने की कोशिश की है। इस दौरान देश को तीन-तीन मुस्लिम राष्ट्रपति, दो महिला, दो दलित, एक आदिवासी राष्ट्रपति भी मिला और तमिलनाडु से लेकर पश्चिम बंगाल तक सभी को प्रतिनिधित्व का मौका भी, इसके बावजूद यह सवाल वाजिब हो सकता है कि इन सब औपचारिकताओं को भले हमने पूरा कर लिया हो, पर क्या इस नुमाइंदगी का फायदा उन लोगों को मिला, जिनके नाम पर यह मुहर लगाई गई या केवल राजनीतिक तालियां बटोरी गईं? जवाब थोड़ा हां और थोड़ा ना हो सकता है, क्योंकि बहुत कुछ बदला भी और बहुत कुछ बाकी रह गया। कम से कम इस बात की तसल्ली तो हो सकती है कि हम सही रास्ते पर चल रहे हैं। इन नुमाइंदगी ने उन तमाम धारणाओं को गलत साबित किया, जो दुनिया के दूसरे देश और हमारे मुल्क में भी कुछ लोग बताते हैं कि भारत सिर्फ एक हिंदू राष्ट्र है; यह महिला, आदिवासी, दलित विरोधी समाज है।

राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू की जीत को महिलाओं के सशक्तीकरण के जश्न के तौर पर भी मनाया जा सकता है, लेकिन यह मिठास अधूरी सी लगती है, जब कोई हाईकोर्ट अपने एक फैसले में कहता है कि महिलाओं के लिए मंगलसूत्र जैसे शादी के चिह्न पहनना जरूरी है और उनकों न पहनना पति को सामाजिक प्रताड़ना देने जैसा है और यह तलाक का कारण भी बन सकता है। फैसले में यह भी कहा गया कि पुरुषों के लिए कोई वैवाहिक चिह्न नहीं है, इसलिए उन पर यह पाबंदी नहीं हो सकती।

एक और खबर हैरान करने वाली मिली कि एक सर्वे में कर्नाटक के लोगों ने महिलाओं के साथ होने वाली पारिवारिक हिंसा या पति द्वारा पत्नी को पीटने को गैर-वाजिब नहीं बताया। उनका मानना है कि यह अच्छे परिवार के लिए जरूरी है। क्या राष्ट्रपति पर किसी वर्ग विशेष की नुमाइंदगी सिर्फ राजनीतिक धारणा या संदेश भर के लिए होती है, इसका समाज की बेहतरी या ताकत से सीधा रिश्ता नहीं होता? किसी हद तक यह बात सही हो सकती है, लेकिन इसका दूसरा पहलू यह भी है कि इस तरह की नुमाइंदगी भले ही मोटे तौर पर वोटबैंक को साधने के लिए की गई हो, लेकिन यह उस वर्ग के आत्म-सम्मान और आत्म-गौरव से जुड़ी होती है और उस वर्ग को एक नई ताकत भी देती है या निराशा व पिछड़ेपन से उबारने का काम करती है। देश में दो-दो दलित राष्ट्रपति के आर नारायणन और रामनाथ कोविंद ने भले ही सीधे तौर पर दलित समाज के उत्थान के लिए कोई बड़ा काम न किया हो, लेकिन सर्वोच्च सांविधानिक पद पर उनके बैठने से दलित समाज को यह भरोसा जरूर कायम हुआ है कि अब वे कमजोर नहीं हैं। इसमें कहीं घोड़े पर से दलित दूल्हे को उतारने की घटना को अपवाद के तौर लिया जा सकता है। तीन-तीन मुस्लिम राष्ट्रपति होने से मुसलमानों की एक बड़ी आबादी का पिछड़ापन भले ही खत्म न हुआ हो, लेकिन इसने उन लोगों का मुंह जरूर बंद किया होगा, जो हिन्दुस्तान में मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक होने की बात करते रहते हैं। आम मुसलमान समझता है कि हिन्दुस्तान में उसके हक और बराबरी को कोई नहीं रोक सकता। यही बात महिला प्रतिनिधियों को लेकर कही जा सकती है। पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और एक जमाने में एक साथ पांच-पांच राज्यों में महिला मुख्यमंत्री, कई राज्यों में महिला राज्यपाल व बहुत से राजनीतिक दलों के अध्यक्ष पद पर महिलाओं के बैठने से आम महिला को ताकत जरूर मिली है। वह दिन दूर नहीं लगता, जब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने की बात पुरुष प्रधान सामाजिक और राजनीतिक नेताओं को माननी ही पड़ेगी, क्योंकि देर भले हो जाए, अब उसे मंजिल तक पहुंचने से रोका नहीं जा सकता। महिलाओं के कामकाजी होने को लेकर हमारे घर के दरवाजे भले ही खुले हों, लेकिन इसका एक बड़ा कारण हमारी आर्थिक जरूरतें हैं। इसमें भी पत्नी का पति के मुकाबले ज्यादा कमाना या ज्यादा पढ़ा-लिखा होना, हमें हजम नहीं होता है, क्योंकि हमें उसके तेवर बर्दाश्त नहीं होते।

इस राष्ट्रपति चुनाव के दौरान विपक्ष के साझा उम्मीदवार रहे यशवंत सिन्हा की योग्यता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता, वह एक बेहतर राजनेता और कुशल प्रशासनिक अधिकारी रहे हैं। सिन्हा ने खुद भी कहा कि यह चुनावी लड़ाई दो व्यक्तियों के बीच नहीं, दो विचारधाराओं के बीच है। सिन्हा ने जब अंतरात्मा की आवाज पर वोट देने की बात की, वहां तक भी ठीक था, लेकिन उन्होंने जब रबर स्टांप राष्ट्रपति होने का सवाल उठाया, तो आपत्ति दर्ज कराने की जरूरत लगी। क्या यह सवाल इसलिए उठाया गया, क्योंकि मुर्मू महिला और आदिवासी हैं? इस मौके पर मैं उन राष्ट्रपति या दूसरे लोगों का जिक्र कर आदिवासी महिला राष्ट्रपति के जीत के जश्न का स्वाद खराब नहीं करना चाहता, जिन्होंने सांविधानिक मर्यादाओं तक को ताक पर रख दिया। दुनिया के किसी भी राष्ट्राध्यक्ष के सबसे बड़े आवास रायसीना हिल पर बने राष्ट्रपति भवन में ऐसे बहुत से किस्सों की फाइलें होंगी, लेकिन एक ताकतवर समाज से जुडे. किसी पुरुष उम्मीदवार के लिए हम ऐसे शक पैदा नहीं करते हैं! आखिरी बात, राष्ट्रपति सिर्फ संविधान की शपथ नहीं लेते, वे संविधान की रक्षा की शपथ लेते हैं। सक्रिय राष्ट्रपति या ऐक्टिव प्रेसिडेंट का मतलब प्रधानमंत्री और सरकार से आए दिन तकरार या विवाद करना कतई नहीं होता। उनसे उम्मीद होती है कि जिस दिन संविधान की अनदेखी हो रही हो, उस दिन या रात कोई राष्ट्रपति किसी दस्तावेज पर चुपचाप दस्तखत करना जरूरी न समझे। बेशक, राष्ट्रपति की मौजूदगी एक ताकत और भरोसा देती है। हार-जीत पर बहस तो बहुत होगी, लेकिन फिलहाल तो यह भारतीय गणराज्य के लिए शुभकामनाओं का समय है।

भारतीय मुद्रा की हालत

यह अप्रत्याशित तो नहीं, मगर चिंतित करने वाली खबर जरूर है कि मंगलवार को भारतीय मुद्रा, यानी रुपया अपने निम्नतम स्तर पर आ गया। एक डॉलर के मुकाबले उसकी कीमत 80.05 रुपये आंकी गई। जाहिर है, मुद्रा के मूल्य में किसी गिरावट का असर पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है और पहले से ही असह्य महंगाई से जूझ रहे आम भारतीय के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। हालांकि, सत्ता में बैठे लोग अब भी कह रहे हैं कि अन्य विदेशी मुद्राओं की तुलना में रुपये की स्थिति बहुत बेहतर है, इसलिए भारतीय अर्थव्यवस्था बुनियादी तौर पर मजबूत है। चिंता की बात यह है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खुद लोकसभा में यह माना है कि दिसंबर 2014 से अब तक देश की मुद्रा 25 प्रतिशत तक गिर चुकी है। ऐसे में, महंगाई से फौरन छुटकारा मुश्किल दिख रहा है, क्योंकि इस गिरावट से आयात महंगा हो जाता है, और विदेशी मुद्रा भंडार भी प्रभावित होता है। ऐसे में, भारतीय रिजर्व बैंक के लिए भी ब्याज दरों को लंबे समय तक नीचे रखना कठिन हो जाएगा। गौर कीजिए, पिछले सात महीनों में ही रुपये में करीब सात फीसदी की गिरावट आ चुकी है।

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए व्यापक रूप से आयात पर निर्भर है। ऐसे में, रुपये की यह कमजोरी पेट्रो उत्पादों के आयात पर भारी पड़ रही है और अंतत: घरेलू बाजार में भी पेट्रोल-डीजल के मूल्य-निर्धारण पर इसका असर पड़ेगा। सरकार की मुश्किल यह है कि दाम बढ़ाने की उसकी कोई भी कवायद विपक्ष को और अधिक हमलावर होने का अवसर मुहैया करा देगी। रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर पहली बार जीएसटी लगाए जाने के खिलाफ विरोधी पार्टियां पहले ही संसद से सड़क तक सरकार को घेरने में जुटी हैं। फिर महंगाई और बेरोजगारी आम सरोकार के मुद्दे हैं और तीन महीने बाद ही दो राज्यों- हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन दोनों ही प्रदेशों में भाजपा की सरकारें हैं। ऐसे में, सरकार के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। श्रीलंका की उथल-पुथल के बाद पाकिस्तान के पंजाब सूबे के हालिया उप-चुनावों के नतीजों ने जाहिर कर दिया है कि इस पूरे उप-महाद्वीप में महंगाई किस कदर निर्णायक रूप लेती जा रही है।

रुपये की मौजूदा स्थिति का एक क्षेत्र में फायदा उठाया जा सकता है, और वह है निर्यात का क्षेत्र। लेकिन दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं इस समय भारी अस्थिरता की शिकार हैं, महामारी के बाद यूक्रेन-रूस युद्ध ने विश्व अर्थव्यवस्था की हालत पतली कर दी है। इससे एक तरफ जहां मांग में कमी आई है, तो दूसरी तरफ आपूर्ति शृंखला भी बाधित हुई है। फिर भारत खाद्यान्न निर्यात को विस्तार नहीं दे सकता, क्योंकि उसकी अपनी घरेलू जरूरतें बड़ी हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुधार की दिशा में आगे बढ़ रही

जयंतीलाल भंडारी

इसी जुलाई माह में प्रकाशित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की किसानों की आमदनी बढ़ने और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के बुलेटिन में प्रकाशित ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार से संबंधित दो विभिन्न रिपोर्टों को गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है। एसबीआई की देश में कृषि की स्थिति पर प्रस्तुत विशेष रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां वित्त वर्ष 2017-18 से 2021-22 के चार वर्षों में किसानों की औसत आमदनी 1.3 से 1.7 गुना तक बढ़ी है, वहीं इसी अवधि के बीच कुछ राज्यों में कुछ फसलों से किसानों की आमदनी में जोरदार इजाफा हुआ है।

जैसे, महाराष्ट्र में सोयाबीन किसानों की औसत आय 1.89 लाख रुपये से बढ़ कर 3.8 लाख रुपये (दोगुनी) और कर्नाटक के कपास किसानों की औसत आय 2.6 लाख रुपये से बढ़कर 5.63 लाख रुपये (2.1 गुना) हो गई है। खासतौर पर जो किसान नगदी फसल उगाते हैं, उनकी आय परंपरागत अनाज उपजाने वाले किसानों की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़ी है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बाजार से जुड़े मूल्य के करीब पहुंच गया है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य सुनिश्चित हो सका है।

इसी तरह आरबीआई के जुलाई बुलेटिन में तीन विश्लेषकों के शोधपत्र पर आधारित रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 के मानसून में हुए सुधार से कृषि गतिविधियों के बेहतर रहने की उम्मीद है तथा इससे ग्रामीण मांग जल्द ही रफ्तार पकड़ सकती है। ऐसे में खाद्यान्न की अच्छी पैदावार से महंगाई घटाने में मदद मिल सकती है, तो बंपर पैदावार से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की आमदनी में इजाफा होगा। परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ेगी।

यकीनन इस समय किसानों की आमदनी में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण आधार उभरकर दिखाई दे रहे हैं। जन-धन योजना के माध्यम से छोटे किसानों और ग्रामीण गरीबों का सशक्तीकरण हुआ है। इसमें कोई दो मत नहीं कि जिस तरह केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा ग्रामीण विकास, कृषि विकास और किसानों को सामर्थ्यवान बनाने के लिए लगातार जो कदम उठाए जा रहे हैं, उनसे ग्रामीणों की आमदनी बढ़ने के साथ-साथ खाद्यान्न उत्पादन व उत्पादकता बढ़ने का ग्राफ ऊंचाई प्राप्त करते हुए दिखाई दे रहा है।

विगत 31 मई को गरीब कल्याण सम्मेलन कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों को 21,000 करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान निधि राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। इस किस्त के साथ ही केंद्र सरकार अब तक सीधे किसानों के बैंक अकाउंट में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की रकम हस्तांतरित कर चुकी है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश से लगातार खाद्यान्न का बढ़ता हुआ निर्यात विदेशी मुद्रा की कमाई का महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है।

दुनिया में भारत जहां चावल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और सबसे बड़ा पहले क्रम का निर्यातक देश है, वहीं गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और छठा सबसे बड़ा निर्यातक देश है। इसी माह 14 जुलाई को आई2यू2 के चार सदस्य देशों-भारत, इस्राइल, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के शीर्ष नेताओं की बैठक में इस बात पर सहमति बनी है कि वैश्विक खाद्य संकट के समाधान हेतु भारत में करीब दो अरब डॉलर की लागत के फूड पार्क स्थापित किए जाएंगे।

ये फूड पार्क भारतीय किसानों की आमदनी दोगुनी करने के साथ ही भारत में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने और खाड़ी देशों सहित दुनिया के अकालग्रस्त देशों में भूख की चुनौतियों का सामना कर रहे करोड़ों लोगों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेंगे। निस्संदेह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की नई रिपोर्टों के मुताबिक, जहां किसानों की आय में वृद्धि हुई है, वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेज सुधार की उम्मीदें बढ़ी हैं। लेकिन अभी देश में कृषि एवं ग्रामीण विकास की डगर लंबी है। इसमें कृषि का डिजिटलीकरण, यूरिया उत्पादन में वृद्धि शामिल है। देश में कृषि को मानसून का जुआ बनने से हरसंभव तरीके से बचाने की जरूरत है।

खूबसूरती में आजकल की अभिनेत्रियों को मात देती हैं रेखा

67 वर्षीय अभिनेत्री रेखा की खूबसूरती आज भी देखते ही बनती है। उनके देखकर ऐसा लगता है कि जैसे उनकी उम्र थम सी गई हो। आजकल की अभिनेत्रियों को भी वो मात देती दिखती हैं। ये उनका जादू है कि जहां कहीं भी जाती हैं उन पर ही निगाहें टिक जाती हैं। हाल ही में फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की मां का जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान रेखा भी पहुंची थीं। रेखा को कई बार मनीष मल्होत्रा के स्टोर पर देखा जाता रहा है, जहां पपराजी उन्हें स्पॉट करते हैं। लेटेस्ट तस्वीरें मनीष मल्होत्रा ने अपने इंस्टग्राम पर शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने बताया कि उनकी मां का जन्मदिन सेलिब्रेशन था। तस्वीरों में रेखा के साथ उनकी मैनेजर फरजाना भी नजर आईं। मनीष मल्होत्रा ने कैप्शन में लिखा- 'बर्थडे सेलिब्रेशन जारी है... गर्मजोशी और प्यार के साथ... मॉम, रेखा जी, फरजाना। आप सभी के प्यार और दुआओं के लिए शुक्रिया।'

गायक भूपिंदर सिंह की कमी खलेगी

बॉलीवुड के मशहूर प्लेबैक सिंगर भूपिंदर सिंह का निधन हो गया है। वरिष्ठ गायक भूपिंदर सिंह का मुंबई के अस्पताल में निधन हुआ। वह पिछले कुछ समय से मूत्र संबंधी समस्याओं सहित कई स्वास्थ्य जटिलताओं से पीड़ित थे। फिल्ममेकर अशोक पंडित ने एक ट्वीट करते हुए लिखा, गायक और गिटारवादक भूपिंदर सिंह का निधन फिल्म उद्योग विशेषकर संगीत जगत के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। उनकी पत्नी मिताली और पूरे परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना। उनके गीतों के माध्यम से उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। ओम शांति! म्यूजिक डायरेक्टर विशाल ददलानी ने ट्वीट करते हुए लिखा उनकी आवाज ही पहचान है, और हमें हमेशा याद रहेगी। अमृतसर में जन्मे भूपिंदर सिंह के परिवार में उनकी पत्नी और एक बेटा है। भूपिंदर सिंह को 'मौसम', 'सत्ते पे सत्ता', 'अहिस्ता अहिस्ता', 'दूरियां', 'हकीकत' और कई अन्य फिल्मों में उनके यादगार गीतों के लिए याद किया जाता है। उनके कुछ प्रसिद्ध गीतों में 'होके मजबूर मुझे, उसने बुलाया होगा', (मोहम्मद रफी, तलत महमूद और मन्ना डे के साथ), 'दिल ढूंढता है', 'दुक्की पे दुक्की हो या सत्ते पे सत्ता' आदि हैं।

कैमियो की भूमिका में नजर आ सकते हैं कार्तिक

बालीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन भी लव रंजन की आने वाली फिल्म में रणबीर और श्रद्धा के साथ नजर आयेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कार्तिक इस फिल्म में स्पेशल अपीयरेंस दे सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, कार्तिक आर्यन फिल्म में एक कैमियो रोल करेंगे। यही नहीं, वह रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर के साथ एक सीन शेयर करते भी दिखाई देंगे।

सूत्र ने दावा किया- 'कार्तिक और लव रंजन एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं और काफी अच्छे दोस्त हैं। इसलिए जब लव रंजन के दिमाग में यह विचार आया तो अभिनेता ने भी इसके लिए हामी भर दी।' रिपोर्ट में आगे कहा गया है 'कार्तिक इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। कार्तिक वाले सीन में रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर भी होंगे। लव रंजन के अलावा कार्तिक रणबीर कपूर के साथ भी अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं।' हालांकि, अभी तक इसे लेकर कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बता दें, कार्तिक आर्यन ने लव रंजन की प्यार का पंचनामा, प्यार का पंचनामा 2, आकाष वाणी और सोनू के टीटू की स्वीटी में काम किया है।

न्यूड फोटोशूट करवाकर रणवीर सिंह ने उर्फी जावेद को भी कर दिया फेल

एक्टर रणवीर सिंह अपने फैशन सेंस की वजह से अक्सर चर्चा में रहते हैं। लोग अक्सर रणवीर को उनके अतरंगी ड्रेसिंग स्टाइल के लिए ट्रोल भी करते हैं। लेकिन एक्टर वही करते हैं जो उन्हें अच्छा लगता है। हाल ही में रणवीर अपने लेटेस्ट फोटोशूट के कारण खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। जी हाँ, रणवीर ने एक मैगनीज के लिए न्यूड फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों को जो भी देख रहा है उसकी आँखें खुली की खुली रह गईं। इन फोटोज़ ने सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है।

मैगजीन के लिए हुए न्यूड

रणवीर सिंह ने एक पॉपुलर मैगजीन के लिए न्यूड फोटोशूट किया है। इन तस्वीरों में रणवीर पूरी तरह बिना कपड़ों के नज़र आ रहे हैं। रणवीर ने इस फोटोशूट से सबको हैरान कर दिया है। हालाँकि, इन तस्वीरों में रणवीर काफी कॉन्फिडेंट नज़र आ रहे हैं। फोटोज़ में रणवीर अपनी मस्क्यूलर बॉडी को जबरदस्त तरीके से फ्लॉन्ट करते नज़र आ रहे हैं। रणवीर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई हैं। इन तस्वीरों को देखने के बाद कुछ लोग एक्टर की तारीफ कर रहे हैं तो कुछ उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। वहीं, कुछ लोग तो इन तस्वीरों को सच मानन से ही इंकार कर रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि ये तस्वीरें फेक हैं।

इन तस्वीरों को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स तरह-तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। कुछ लोग रणवीर की तारीफ कर रहे हैं तो कुछ यूजर्स उनके मज़े ले रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, 'लगता है कि दीपिका ने अलमारी को लॉक कर दिया है।' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'देख रहा है ना बिनोद। कैसे नंगा फ़ंगा फोटोशूट करवा के Male kim kardashian बनने की कोशिश कर रहा है।' एक यूजर ने लिखा- 'भाई क्या कर रहा है तू।' अगर वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर जल्द ही 'अंदाज अपना अपना 2', 'सर्कस', 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी', 'तख्त' और 'सिम्बा 2' फिल्मों में दिखने वाले हैं।

ललित मोदी संग रिलेशन की खबरों के बीच सुष्मिता ने शेयर की सुपरबोल्ड फोटो, कैप्शन में लिखा - आई लव यू

बॉलीवुड एक्ट्रेस और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ के चलते काफी सुर्खियों में हैं। जब से बिजनेसमैन ललित मोदी और सुष्मिता सेन के रिलेशनशिप की खबर ऑफिशियल हुई है, तब से सोशल मीडिया पर दोनों के ही चर्चे हैं। हाल ही में सुष्मिता सेन ने सोशल मीडिया पर अपनी बेहद बोल्ड तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। एक्ट्रेस का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। सुष्मिता सेन अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक सेल्फी पोस्ट की है। इस तस्वीर में एक्ट्रेस काफी खुश दिखाई दे रही है। इस तस्वीर में सुष्मिता ने नीले कलर का फंट कट टॉप पहना हुआ है और सनग्लासेज लगाए हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए सुष्मिता ने कैप्शन में फैंस के लिखा है, आई लव यू दोस्तों। फैंस को सुष्मिता की यह तस्वीर और उनका कैप्शन खूब पसंद आ रहा है। सुष्मिता सेन ने यह पोस्ट शेयर करके यह साफ़ कर दिया है कि वे अपनी पर्सनल लाइफ में काफी खुश हैं और उन्हें दूसरों की बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। एक्ट्रेस अपनी लाइफ को खुलकर इंजॉय कर रही हैं और फैंस को सुष्मिता का ये बेबाक अंदाज सबसे ज्यादा पसंद है। गौरतलब है कि जबसे ललित मोदी ने सुष्मिता सेन के साथ रिलेशन में होने को लेकर खुलासा किया है तभी से लोग सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल करने लगे। ट्रोलर्स लगातार सुष्मिता को 'गोल्ड डिगर' कह रहे थे। ट्रोलर्स का कहना है कि सुष्मिता सेन पैसों के लिए ललित मोदी के साथ रिलेशनशिप में हैं। जिसके बाद सुष्मिता सेन ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और ट्रोल करने वालों पर पलटवार किया।

कंगना के बाद अनुपम खेर का फिल्म 'इमरजेंसी' से पहला पोस्टर रिलीज

कुछ दिनों पहले कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी के एक छोटे से टीजर ने तहलका मचा दिया था। कंगना का लुक देखकर लोग हैरान रह गये थे। अब दिग्गज एक्टर अनुपम खेर का भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता और राजनीतिक नेता जयप्रकाश नारायण के रूप में उनका पहला पोस्टर रिलीज हुआ है। जयप्रकाश नारायण के रूप में अनुपम खेर दमदार लग रहे हैं। अभिनेता आगामी फिल्म इमरजेंसी में जयप्रकाश नारायण की भूमिका निभाएंगे। फिल्म में कंगना रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में हैं। अनुपम खेर अपने करियर की 527वीं फिल्म के साथ वापस आ गए हैं। इससे पहले उन्होंने द कश्मीर फाइल्स में अपने किरदार से लोगों का दिल जीत लिया था। अनुपम ने 22 जुलाई को ट्विटर पर फिल्म इमरजेंसी से अपना पहला लुक साझा किया। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह इस निडर विद्रोही की भूमिका निभाने पर गर्व महसूस करते हैं।

अनुपम खेर का इमरजेंसी से पहला लुक

अनुपम खेर ने 22 जुलाई को आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर आगामी फिल्म इमरजेंसी से जयप्रकाश नारायण के रूप में अपना पहला लुक साझा किया। पोस्टर में वह सफेद बाल और चश्मा लगाए नजर आ रहे हैं। पोस्टर को साझा करते हुए, अनुपम ने एक नोट लिखा, फ्रनिडर होकर सवाल करने वाले व्यक्ति की भूमिका निभाने के लिए खुश और गर्व, शब्द के सही अर्थों में एक विद्रोही, #KanganaRanaut स्टारर और निर्देशन में #Emergency। मेरी 527वीं फिल्म जय हो! #JP #लोकनायक।

जयप्रकाश नारायण एक भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता, सिद्धांतवादी, समाजवादी और राजनीतिक नेता थे। उन्हें 1970 के दशक के मध्य में प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ विपक्ष का नेतृत्व करने के लिए याद किया जाता है, जिन्हें उखाड़ फेंकने के लिए उन्होंने पूर्ण क्रांति का आह्वान किया था।

कटरीना कैफ की भाभी बनेंगी इलियाना डिक्रूज

बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने हाल ही में अपना 39वां जन्मदिन मनाया। कटरीना कैफ के बर्थडे पर वो अपनी फैमिली और दोस्तों के साथ मालदीव में एन्जॉय करती नजर आईं। वायरल फोटोज में कटरीना कैफ के साथ उनके पति व अभिनेता विकी कौशल, देवर सनी कौशल, दोस्त मिनी माथुर, भाई सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल, आनंद तिवारी और एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज नजर आ रहे हैं। इन फोटोज के सामने आने से खबरों का बाजार गर्म हो गया है कि इलियाना डिक्रूज, कटरीना कैफ की भाभी बन सकती हैं। सोशल मीडिया पर कटरीना के भाई सेबेस्टियन और इलियाना की तस्वीरों के वायरल होने के साथ ही ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों एक दूसरे के साथ बीते 6 महीने से रिलेशनशिप में हैं। बता दें कि कटरीना कैफ के भाई सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल, यूके के मॉडल हैं। सेबेस्टियन और इलियाना न सिर्फ एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं, बल्कि बीते कुछ वक्त से कटरीना के बांद्रा वाले पुराने घर में साथ वक्त बिता रहे हैं। ऐसे में इन तस्वीरों के सामने आने से एक बार फिर खबरों का बाजार गर्म हो गया है, हालांकि आधिकारिक तौर पर इस बारे में भी कुछ भी कहना मुश्किल है।

यूक्रेन के स्कूल में रूसी हमले, इमारत से निकाले गए तीन शव, 23 लोग घायल

कीव। पूर्वी यूक्रेन स्थित एक विद्यालय पर रूसी हमले के बाद यूक्रेन के बचाव कर्मियों ने स्कूल की इमारत से तीन शव बरामद किये। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि यूक्रेन के कई हिस्सों में रूसी हमले लगातार जारी हैं। विद्यालय पर हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। वहीं, शुक्रवार को एक समझौता होना है जिससे यूक्रेन अनाज-उर्वरक का निर्यात करने के लिए अपने जहाजों का परिचालन काला सागर से होकर कर सकेगा। हालांकि, इसके अलावा युद्ध से राहत मिलने के कोई अन्य संकेत नहीं मिले हैं। रूस ने इस हफ्ते एक बार फिर दोहराया कि उसकी योजना पूर्वी यूक्रेन से आगे के क्षेत्रों पर भी कब्जा करने की है, जहां डोनबास क्षेत्र पर कब्जे की कोशिश में रूसी सेना ने कई महीने गुजारे। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि दोनेत्स्क प्रांत के क्रमटोर्स्क में रूसी बमबारी से एक विद्यालय नष्ट हो गया, जबकि 85 अन्य रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा। यूक्रेन की राज्य आपातकाल एजेंसी ने कहा कि इसने बृहस्पतिवार को हमले का निशाना बने विद्यालय में काम पूरा कर दिया है और तीन शव बरामद किये गये। दोनेत्स्क के गवर्नर पाव्लो किरीलेंको ने एक समाचार चैनल को दिये बयान में कहा कि विद्यालयों और अस्पतालों पर रूसी हमला बहुत कष्टकारी हैं, जो शांतिपूर्ण शहरों को बर्बाद करने की उसकी असल मंशा को दर्शाता है। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल इगोर कोनाशेंकोव ने कहा कि रूसी हमले में 300 से अधिक यूक्रेनी सैनिक मारे गये, जो विद्यालय संख्या-23 के भवन का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक अन्य हमले में माइकोलाइव स्थित औद्योगिक क्षेत्र में स्थित आयुध भंडार को नष्ट कर दिया गया। कोनाशेंकोव ने कहा कि रूसी बलों ने यूक्रोन को अमेरिका से मिले एचआईएमएआरएस मल्टीपल रॉकेट लांचर को भी नष्ट कर दिया।

पाकिस्तान में बिजली कटौती के खिलाफ जमात ए इस्लामी की 'हक दो कराची को' रैली आज

पाकिस्तान में चीन के साथ कई विद्युत परियोजनाओं पर काम होने के बावजूद बिजली का संकट चरम पर है। हालात ये हो गए हैं कि अब कई जगहों पर 16 घंटे की बिजली कटौती जारी है। बिजली दरें काफी बढ़ी हुई है। इसको लेकर जमात ए इस्लामी शुक्रवार को रैली आयोजित करने जा रही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान के कराची में बिजली शुल्क के मुद्दों के समाधान की मांग करते हुए जमात-ए-इस्लामी ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फ़हक दो कराची कोफ़ मार्च आयोजित करने की घोषणा की है। मार्च शाम 4 बजे कराची के शाहरा-ए-कायदा में आयोजित किया जाएगा। मार्च की घोषणा जमात-ए-इस्लामी (कराची) के प्रमुख हाफिज नईम-उर-रहमान ने की। विरोध प्रदर्शन में महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और युवा शामिल होंगे। 24 जुलाई से जमात-ए-इस्लामी का हक दो कराची को आंदोलन नए दौर में प्रवेश करेगा। जेआई प्रमुख ने कहा कि वे के-इलेक्ट्रिक द्वारा बिजली बिलों में 6,000 मासिक बिक्री कर की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि वे व्यापारिक समुदाय के साथ हैं और जल्द ही उनके साथ मिलकर भविष्य की कार्रवाई की घोषणा करेंगे। इससे पहले मार्च में हाफिज नईम ने कहा था कि ईद के बाद जेआई मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरना देंगे। जमात-ए-इस्लामी, कराची, अमीर हाफिज नईम-उर-रहमान ने कहा था कि फ़हक दो कराची कोफ़ रैली ग्रामीण और शहरी सामंतों के खिलाफ कराची के लोगों के वैध और कानूनी अधिकारों के लिए एक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि अगर प्रदर्शनकारी गवर्नर हाउस पहुंचे होते तो पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को यह नहीं सोचना चाहिए कि वहां वे मुख्यमंत्री आवास नहीं पहुंच सकते. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईद के बाद हम सीएम हाउस में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

फेसबुक ने दो अफगानी मीडिया संस्थानों पर लगाई पाबंदी, तालिबान बोला असहिष्णु कार्रवाई

काबुल । अफगानिस्तान के दो सरकारी मीडिया संस्थानों के खातों पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक ने पाबंदी लगाई है। कंपनी ने कहा कि अमेरिका के कानून के तहत तालिबान एक आतंकी संस्था है, ऐसे में उसके द्वारा संचालित किसी भी अकाउंट को वह अपने प्लेटफार्म पर जगह नहीं दे सकते हैं। तालिबान ने पिछले साल अगस्त माह में अफ़गानिस्तान की सत्ता पर काबिज होते ही फेसबुक और ट्विटर का उपयोग करना शुरू कर दिया था। देश के मीडिया संस्थानों, अखबारों और रेडियो पर अपनी पकड़ बनाने के बाद तालिबान इन्हें अपनी छवि सुधारने के लिए उपयोग कर रहा है।
दुनिया के सामने अपने क्रूर शासन को छिपाने के लिए तालिबान सरकारी मीडिया का खूब इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि, फेसबुक ने प्रतिबंधित मीडिया संस्थान की जानकारी नहीं दी है, लेकिन नेशनल रेडियो टेलीविजन अफगानिस्तान (आरटीए) और सरकारी स्वामित्व वाली समाचार एजेंसी ने कहा है कि फेसबुक ने उन्हें ब्लॉक कर दिया है। आरटीए के निदेशक अहमदुल्ला वासिक ने एक वीडियो बयान में कहा कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर संस्थान के अकाउंट को बिना कोई कारण बताये बंद कर दिया गया। उन्होंने नेशनल रेडियो टेलीविजन अफगानिस्तान को देश की आवाज करार दिया है। फेसबुक द्वारा अफ़गानिस्तान की सरकारी मीडिया एजेंसी को प्रतिबंधित किये जाने के बाद तालिबान ने इसे असहिष्णुता का उदाहरण बताया है।

ग्लोबल स्टूडेंट पुरस्कार 2022 की सूची में तीन भारतीय छात्र शामिल

लंदन। वर्ष 2022 के 'ग्लोबल स्टूडेंट' पुरस्कारों की सूची में तीन भारतीयों को स्थान प्राप्त हुआ है। दुनियाभर के डेढ़ सौ देशों के सात हजार आवेदनकर्ताओं में से इन छात्रों का चयन किया गया है। विभिन्न क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ने वाले छात्रों को इस पुरस्कार के तहत हर साल एक लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम दिया जाता है। गोवा स्थित बिरला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (बिट्स) की 20 वर्षीय छात्रा अनघा राजेश, ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के 22 वर्षीय छात्र ओशिन पुरी और बेंगलुरु की 19 वर्षीय हाई स्कूल की छात्रा श्रेया हेगड़े इस साल के पुरस्कारों की शीर्ष 50 की सूची में शामिल हैं। शिक्षा जगत की कंपनी 'चेग' की गैर लाभकारी इकाई यह पुरस्कार प्रदान करती है।चेग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डान रोजेनस्वैग ने कहा, 'पिछले साल पुरस्कारों की शुरुआत से लेकर ग्लोबल स्टूडेंट पुरस्कार ने दुनियाभर के छात्रों को अपनी कहानी सुनाने, एक दूसरे से संपर्क करने और शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में प्रभावशाली लोगों से मिलना का मौका दिया है।' उन्होंने कहा, 'अनघा, ओशिन और श्रेया जैसे छात्रों को भी अपने अनुभव साझा करने और अपनी आवाज उठाने का अधिकार है। आखिरकार, दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए हमें उनके सपनों, विचारों और रचनात्मकता को महत्व देने की जरूरत है।

दुनिया का पहला मलेरिया रोधी टीका अफ्रीकी देशों में लगाने की तैयारी

ब्लांटायर (मलावी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने तीन अफ्रीकी देशों में दुनिया का पहला अधिकृत मलेरिया रोधी टीका लगाने की घोषणा की है। लेकिन इस टीके के मूल्य को लेकर इसके सबसे बड़े समर्थक बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने चिंता जताते हुए इस टीकाकरण कार्यक्रम को वित्तीय समर्थन नहीं देने का फैसला लिया है। डब्ल्यूएचओ ने इस टीके को मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में एक ऐतिहासिक सफलता करार दिया है, लेकिन बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने इस सप्ताह एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि वह अब इस टीके को वित्तीय समर्थन नहीं देगा। कुछ वैज्ञानिकों ने कहा कि वे फाउंडेशन के इस निर्णय से निराश हैं। उन्होंने आगाह किया कि इससे लाखों अफ्रीकी बच्चों की मलेरिया के कारण मौत हो सकती है। साथ ही यह निर्णय जन स्वास्थ्य में आने वाली समस्याओं को सुलझाने के भविष्य के प्रयासों को कमजोर कर सकता है। ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन (जीएसके) का मॉस्कीरिक्स नामक टीका लगभग 30 प्रतिशत प्रभावी है और इसकी चार खुराक लेनी होती हैं। गेट्स फाउंडेशन के मलेरिया से संबंधित कार्यक्रमों के निदेशक फिलिप वेल्कहॉफ ने कहा कि मलेरिया टीके की प्रभावकारिता जितनी हम चाहते थे, उससे काफी कम है। टीके पर 20 करोड़ डॉलर खर्च करने और इसे बाजार में लाने के लिए कई दशक लगाने के बाद इससे हाथ खींचने के गेट्स फाउंडेशन के फैसले के बारे में विस्तार से बताते हुए वेल्कहॉफ ने कहा कि टीका अपेक्षाकृत महंगा है और इसकी आपूर्ति चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा, यदि हम अपने वर्तमान वित्तपोषण के जरिये ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बचाना चाहते हैं, तो कीमत और प्रभावकारिता महत्व रखती है। वेल्कहॉफ ने कहा कि अफ्रीका में टीकाकरण का समर्थन करने से पीछे हटने का गेट्स फाउंडेशन का निर्णय विस्तृत विचार-विमर्श के बाद वर्षों पहले किया गया था। इस बात पर भी चर्चा की गई थी कि क्या फाउंडेशन का पैसा मलेरिया के अन्य टीकों, उपचारों या उत्पादन क्षमता पर बेहतर ढंग से खर्च किया जा सकता है। लीवरपूल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन में बायोलॉजिकल साइंस के डीन एलिस्टर क्रेग ने कहा, यह दुनिया का कोई बहुत बड़ा टीका नहीं है, लेकिन इसके इस्तेमाल से बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। क्रेग ने कहा, ऐसा भी नहीं है कि हमारे पास बहुत से अन्य विकल्प मौजूद हैं।

कैपिटल हिल में वोनडूरसका मैथ्यू और सराह मैथ्यू कैपिटल हिल पर हुए हमले के मामले में सदन की कमेटी के सामने गवाही देते हुए।

मरम्मत के बाद जर्मनी और रूस के बीच फिर शुरू हुई गैस आपूर्ति, फिर भी यूरोप भयभीत क्यों?

बर्लिन। यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद से जर्मनी एक डर से आशंकित है दरअसल, रूस और जर्मनी के बीच बंद पड़ी नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइन को 10 दिन की मरम्मत के बाद फिर शुरू कर दिया गया है। नॉर्ड स्ट्रीम के प्रवक्ता ने बताया कि पाइपलाइन को वापस से शुरू कर दिया गया है। हालांकि, कितनी गैस सप्लाई की जा रही है इसकी जानकारी नहीं दी गई। यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद से जर्मनी को डर है कि रूस गैस की आपूर्ति को रोक सकता है। साथ ही अन्य पश्चिमी देशों को भी यह आशंका है कि यूरोप में रूस गैस को एक हथियार के रूप में प्रयोग कर सकता है। जर्मनी इस समय अपनी ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस पर निर्भर है। ऐसे में रूस द्वारा गैस आपूर्ति रोकने की स्थिति में जर्मनी के ऊर्जा क्षेत्र के ठप्प पड़ने की आशंका है। जर्मनी के शीर्ष नेतृत्व को यह डर सता रहा है कि इस अवसर का इस्तेमाल कर रूस पूरे यूरोप को ऊर्जा संकट में धकेल सकता है। जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ ने बीते हफ्ते मीडिया से बातचीत में कहा था कि रूस जानबूझकर गैस के साथ ही यूक्रेन से आने वाले खाद्य निर्यात को भी रोक रहा है। ईरान की राजधानी तेहरान में हुए एक सम्मलेन में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूसी ऊर्जा कंपनी गज़प्रोम अपनी तय आपूर्ति को पूर्ण रूप से जारी रखेगी।

कोलंबो में सेना का मिडनाइट ऑपरेशन, राष्ट्रपति सचिवालय से प्रदर्शनकारियों को हटाया

– श्रीलंकाई सुरक्षा बलों ने कोलंबो में एक सरकार विरोधी विरोध शिविर पर छापा मारा

कोलंबो (एजेंसी)।

देश को नया राष्ट्रपति मिलने के साथ ही श्रीलंका में सरकारी स्थानों पर कब्जा कर चुके सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों को आर्मी ने हटाना शुरू कर दिया है। देर रात सेना ने ऑपरेशन चलाया और कोलंबों में राष्ट्रपति सचिवालय के बाहर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों और सशस्त्र सुरक्षाबलों में झड़प हुई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को हटाने का अभियान शुरू हुआ। श्रीलंकाई सुरक्षा बलों ने शुक्रवार तड़के वाणिज्यिक राजधानी कोलंबो में एक सरकार विरोधी विरोध शिविर पर छापा मारा। साइट के मीडिया फुटेज में असॉल्ट राइफलों से लैस सैनिकों को शिविर को तोड़ने की कोशिश करते हुए दिखाया गया है, जबकि दर्जनों पुलिस बाहर खड़ी दिखाई पड़ी। प्रदर्शनकारियों ने आशंका जताई थी कि नए राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, उनके अपदस्थ पूर्ववर्ती गोटाबाया राजपक्षे के सहयोगी के तहत एक कार्रवाई आसन्न थी। जैसे ही दिन का उजाला हुआ तब तक दर्जनों सैनिकों ने मार्च किया और राष्ट्रपति सचिवालय के सामने से गुजरने वाली मुख्य सड़क के दोनों किनारों पर खड़े विरोध टेंटों की पंक्तियों को हटा दिया गया। विरोध के आयोजकों ने कहा कि सैकड़ों सुरक्षा कर्मियों ने आधी रात के बाद गोटा गो गामा विरोध शिविर को घेर लिया। इस शिविर का नाम दंगाईयों ने राष्ट्रपति का मजाक उड़ाने के लिए रखा था। उन्होंने कहा रानिल विक्रमसिंघे हमें नष्ट करना चाहते हैं, वे फिर से ऐसा कर रहे हैं, लेकिन हम उन्हें उनके मकसद में कामयाब नहीं होने देंगे। हम अपने देश को ऐसी घिनौनी राजनीति से मुक्त बनाना चाहते हैं।

बताया जाता है कि सेना के साथ झड़प में लगभग 50 प्रदर्शनकारी घायल हो गए। जिसमें कुछ पत्रकार भी शामिल हैं जिन्हें सुरक्षा बलों ने पीटा था। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि दो अस्पताल में भर्ती हैं। यह एक व्यवस्थित और पूर्व नियोजित हमला था। उन्होंने वास्तव में लोगों पर बेरहमी से हमला किया। जो हुआ है वह सत्ता का एक बहुत ही गलत प्रदर्शन है। श्रीलंका में रविवार को विक्रमसिंघे द्वारा लगाए गए आपातकाल की स्थिति है, जब वह कार्यवाहक राष्ट्रपति थे। पिछले आपातकालीन नियमों का इस्तेमाल सेना को प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने और गिरफ्तार करने की शक्ति देने और विरोध करने के अधिकार को कम करने के लिए किया गया है।

वैक्सीन की दोनों डोज लेने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन हुए कोरोना पॉजिटिव

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

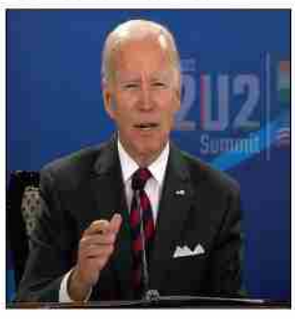

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन तमाम ऐहतियाती कदम उठाने के बावजूद कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं और व्हाइट हाउस इसे एक सबक के तौर पर ले रहा है। हालांकि व्हाइट हाउस बाइडन के वायरस से संक्रमित होने के बारे में कुछ भी खुलकर नहीं बता रहा है। व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ रॉन क्लेन ने बृहस्पतिवार दोपहर एमएसएनबीसी से कहा, राष्ट्रपति रोजाना वह सब कुछ करते हैं जो अमेरिका में कोई अन्य व्यक्ति करता है। उन्होंने कोविड से खुद का बचाव करते हुए काम किया। बाइडन ने व्हाइट हाउस की बालकनी से एक वीडियो रिकॉर्ड किया है, जिसमें उन्होंने कहा है, मेरी तबीयत ठीक हो रही है। बहुत काम कर रहा हूं। और इस बीच,मेरी चिंता करने के लिए आप सभी को धन्यवाद देता हूं। विश्वास रखिए। सब ठीक हो जाएगा। बृहस्पतिवार को बाइडन के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जानकारी दी गई थी।

इस दौरान बार -बार आश्वासन दिया गया कि राष्ट्रपति कड़ी मेहनत से काम कर रहे हैं और उन्होंने व्हाइट हाउस के आवासीय इलाकों में खुद को पृथक कर लिया है। उनमें जुकाम, सूखी खांसी और थकान जैसे कोविड-19 के बहुत हल्के लक्षण हैं। यह सब कवायद बाइडन के स्वास्थ्य से ध्यान हटाने के प्रशासन के प्रयास का हिस्सा है। व्हाइट हाउस बाइडन के इस विचार को प्रदर्शित करना चाहता है कि अधिकतर अमेरिकी कोविड की चपेट में आने पर बहुत मुश्किलों का सामना किए बिना इससे उबर सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें टीके लगवाने औरखुद को बचाने के लिए अन्य महत्वपूर्ण कदम उठाने होंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरेन जीन-पियरे ने संवाददाता सम्मेलन में कई बार कहा कि व्हाइट हाउस राष्ट्रपति के स्वास्थ्य के बारे में यथासंभव पारदर्शिता बरत रहा है।

दिनेश गुणवर्धने को बनाया गया श्रीलंका का नया प्रधानमंत्री, पीएमओ में लिया शपथग्रहण

कोलंबो। (एजेंसी)।

वरिष्ठ नेता दिनेश गुणवर्धने को शुक्रवार को श्रीलंका का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। श्रीलंका के नए राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल को शपथ दिलाई। गुणवर्धने को अप्रैल में, पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के कार्यकाल के दौरान गृह मंत्री बनाया गया था।

वह विदेश मंत्री और शिक्षा मंत्री के तौर पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। विक्रमसिंघे के राष्ट्रपति बनने के बाद प्रधानमंत्री पद खाली हो गया था। छह बार प्रधानमंत्री रह चुके विक्रमसिंघे ने बृहस्पतिवार को देश के आठवें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ग्रहण की थी। उन्होंने देश के सामने आ रहे अभूतपूर्व आर्थिक संकट को दूर करने के लिए सभी दलों से मिलकर काम करने का आह्वान किया है।

डब्ल्यूएचओ ने मंकीपाक्स को वैश्विक संकट घोषित करने के लिए हफ्ते में दूसरी बार बुलाई बैठक

लंदन (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपाक्स को वैश्विक संकट घोषित किया जाए या नहीं यह घोषित करने के लिए एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार बैठक बुलाई है। कुछ वैज्ञानिकों ने कहा है कि अफ्रीका और विकसित देशों में संक्रमण फैलने के तरीकों में स्पष्ट अंतर होना किसी समन्वित प्रतिक्रिया को जटिल बना देगा। अफ्रीकी अधिकारियों ने कहा कि वह पहले से ही महाद्वीप की महामारी को आपातकाल मान रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि यूरोप, उत्तरी अमेरिका और अन्य जगह मंकीपॉक्स के मामूली प्रकार की मौजूदगी पर आपातकाल की घोषणा करना गैर जरूरी है, भले ही वायरस पर नियंत्रण नहीं हो सके। अफ्रीका के पश्चिमी और मध्य के कई हिस्सों में मंकीपॉक्स दशकों से मौजूद है, जहां बीमार जंगली पशु कभी-कभी ग्रामीण लोगों को संक्रमित करते हैं। लेकिन यूरोप, उत्तर अमेरिका और अन्य जगहों पर कम से कम मई से समलैंगिक और बाइसेक्सुअल लोगों में यह बीमारी फैली है। अमीर देशों में यह बीमारी यौन संबंध से फैलने की आशंका जताई गई है, खासकर स्पेन और बेल्जियम जैसे देशों में जहां माना जा रहा है कि रेव पार्टियों से इसका प्रसार हुआ है। दुनिया भर में अब मंकीपॉक्स के 15,000 मामले सामने आए हैं, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और अन्य देशों ने लाखों टीके खरीदे हैं, जबकि अफ्रीका को एक भी टीका नहीं मिला है, जहां मंकीपॉक्स का अधिक गंभीर प्रकार पहले ही 70 से अधिक लोगों की जान ले चुका है। ब्रिटेन के ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय में मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. पॉल हंटर ने कहा कि अमीर देशों से अभी तक मंकीपॉक्स से किसी मौत की सूचना नहीं है। लेकिन अफ्रीका में जारी इसका प्रकोप यूरोप और उत्तरी अमेरिका में इसके प्रकोप से लगभग पूरी तरह अलग है। हंटर पहले संक्रामक रोगों पर डब्ल्यूएचओ को सलाह दे चुके हैं। विश्व निकाय संयुक्त राष्ट्र संघ की स्वास्थ्य एजेंसी ने इस सप्ताह कहा कि अफ्रीका के बाहर मिले मंकीपॉक्स के 99 फीसदी मामले पुरुषों से जुड़े हैं, इसमें भी 98 फीसदी मरीज वे पुरुष हैं जिन्होंने किसी पुरुष से यौन संबंध बनाया। हालांकि यह रोग किसी भी उस व्यक्ति को हो सकता है, जो मंकीपॉक्स से संक्रमित रोगी से निकट शारीरिक संपर्क में है। एंग्लिया विश्वविद्यालय में मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. पॉल हंटर ने कहा बहुत सक्रिय समलैंगिक गिरोह में ऐसे पुरुष होते हैं, जो नहीं चाहते कि लोग यह जानें कि वे क्या कर रहे हैं, खुद उन्हें भी नहीं पता होता कि वे किसके साथ यौन संबंध बना रहे हैं। कांगो इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल बायोमेडिकल रिसर्च में वैश्विक स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करने वाले एक विषाणु विशेषज्ञ डॉ. प्लासाइड मबाला ने कहा अफ्रीका और पश्चिम के रोगियों में ध्यान देने योग्य अंतर हैं।

रूस जैसी सैन्य शक्ति के सामने यूक्रेन के डटकर खड़े हो जाने से घबराया चीन, ताइवान प्लान को रिव्यू करने पर हुआ मजबूर

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के विस्तारवादी नीति से पूरी दुनिया वाकिफ है। दुनिया जानती है कि चीन की मंशा ताइवान पर कब्जा करने की है। जिस दिन से रूस ने यूक्रेन पर हमला किया है, उस दिन से चीन की भूख भी ताइवान पर हमला करने की बढ़ गई है। चीन की मंशा पर ही अब अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए की तरफ से बड़ा बयान सामने आया है। सीआईए चीफ बिल बर्न्स ने ने दावा किया है कि यूक्रेन युद्ध का हश्र देख चीन अपने ताइवान प्लान को रिव्यू करने पर मजबूर हो गया है। सीआईए के अनुसार यूक्रेन ने अब तक रूस के 15 हजार से ज्यादा सैनिकों को मारा है और करीब 45 हजार को जख्मी कर दिया है। रूस जैसी सैन्य शक्ति के सामने यूक्रेन के डटकर खड़े हो जाने के कारण चीन भी घबराया हुआ है।

एस्पेन सिक्योरिटी फोरम में उपस्थित हुए सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के निदेशक बिल बर्न्स ने कहा कि चीन ने यूक्रेन में देखा है कि आप जबरदस्त सैन्य ताकत के साथ अचानक त्वरित और निर्णायक जीत हासिल नहीं कर सकते हैं। उन्होंने इस बात की अटकलों को खारिज कर दिया कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस साल के अंत में कम्युनिस्ट पार्टी की अहम बैठक के बाद ताइवान प्लान पर आगे बढ़ सकते हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि मैं स्व-शासित ताइवान पर चीन के विस्तारवादी मंसूबे के राष्ट्रपति शी की नीति को कम नहीं आंकूंगा। सीआईए के डायरेक्टर ने कहा कि चीन को हमला करना है तो नई रणनीति बनानी होगी। सैन्य ताकत से रातों-रात कुछ बदला नहीं जा सकता। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सूचना पर नियंत्रण सबसे ज्यादा जरूरी है। प्रतिबंधों से उबर सके ऐसा इकनोमिक प्लान बनाना होगा।

चीन की मंशा पर ही ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई-6 नेवी दावा किया था।एमआई-6 के प्रमुख रिचर्ड मूर ने कहा कि पश्चिमी देशों का ज्यादा मकसद यूक्रेन में युद्ध जीतने पर रहे क्योंकि चीन की नजर इस जंग पर है। जिसकी आड़ में ड्रैगन अपने ताइवान मिशन को पूरा करने की फिराक में है। ब्रिटिश खुफिया

एजेंसी के प्रमुख ने अमेरिका के कोलोराडो में सीएनएन को दिए इंटरव्यू में यह बयान दिया है। यह पहली मर्तबा है जब विदेशी धरती पर हमें एमआई-6 के प्रमुख ने कोई इंटरव्यू दिया। रिचर्ड मोड़ ने इंटरव्यू में कहा कि पश्चिमी देशों को यह संदेश देने की जरूरत है क्या कर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो उसके गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। मूर ने यह भी कहा कि चीन अमेरिका की ताकत को गलत आंक रहा है।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप : नीरज पहली बार फाइनल में, रोहित ने भी किया कमाल

यूजीन (एजेंसी)।

ओलंपिक चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अपने पहले ही प्रयास में 88.39 मीटर का थ्रो फेंककर पहली बार विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया जबकि रोहित यादव ने भी फाइनल में पहुंचकर भारत के लिए नया इतिहास रच दिया।

पदक के प्रबल दावेदार 24 वर्षीय चोपड़ा ने ग्रुप ए क्वालीफिकेशन में शुरूआत की और 88.39 मीटर का थ्रो फेंका। यह उनके कैरियर का तीसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो था। वह गत चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रहे। पीटर्स ने ग्रुप बी में 89.91 मीटर का थ्रो लगाया। चोपड़ा ने कहा, 'यह अच्छी शुरूआत थी। मैं फाइनल में अपना शत प्रतिशत दूंगा। हर दिन अलग होता है। हमें नहीं पता कि किस दिन कौन कैसा थ्रो फेंकेगा।' उन्होंने कहा, 'मेरे रन अप में थोड़ी दिक्कत थी लेकिन थ्रो अच्छा रहा। बहुत सारे खिलाड़ी अच्छी फॉर्म में हैं।'

चोपड़ा का क्वालीफिकेशन राउंड कुछ मिनट ही चला क्योंकि स्वत: क्वालीफिकेशन मार्क पहले ही प्रयास में हासिल करने से उन्हें बाकी दो थ्रो फेंकने नहीं पड़े। हर प्रतियोगी को तीन मौके मिलते हैं। रोहित ने ग्रुप बी में 80.42 मीटर का थ्रो फेंका। वह ग्रुप बी में छठे स्थान पर और कुल 11वें स्थान पर रहे। उनका दूसरा थ्रो फाउल रहा और आखिरी प्रयास में 77.32 मीटर का थ्रो ही फेंक सके। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 82.54 मीटर है जो उन्होंने राष्ट्रीय अंतर प्रांत चैम्पियनशिप में पिछले महीने हासिल किया था। तब उन्होंने रजत पदक जीता था।

पदक का मुकाबला रविवार को सुबह सात बजकर पांच मिनट पर होगा। दोनों क्वालीफिकेशन ग्रुप से 83.50 मीटर की बाधा पार करने वाले या शीर्ष 12 खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे हैं। चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 89.94 मीटर है। उन्होंने लंदन विश्व चैम्पियनशिप 2017 में खेला था लेकिन फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाये थे। दोहा में 2019 विश्व चैम्पियनशिप में वह कोहनी के ऑपरेशन के कारण नहीं खेल सके थे। चोपड़ा ने इस सत्र में दो बार पीटर्स को हराया है जबकि पीटर्स डायमंड लीग में विजयी रहे थे। पीटर्स तीन बार 90 मीटर से अधिक का थ्रो फेंक चुके हैं।

जमैका की जैक्सन ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

यूजीन (एजेंसी)।

जमैका की शेरिका जैक्सन ने महिलाओं की विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 200 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। जैक्सन ने 21.45 सेकंड का समय निकाला जो अब तक का दूसरा सबसे तेज समय है। वहीं फ्रेजर प्राइस ने 21.81 सेकंड समय निकलकर रजत पदक हासिल किया। प्राइस ने 100 मीटर की रेस में स्वर्ण जीता था। तीसरे स्थान पर रही ब्रिटेन की दीना आसेर स्मिथ ने कांस्य पदक अपने नाम किया। जैक्सन ने जीत के बाद कहा, 'मैं जानती थी कि मुझे स्वर्ण मिले। इसके लिए मैंने अपनी पूरी ताकत लगा दी थी। जमैका ने इस तरह महिलाओं की दौड़ में 6 में से कुल 5 पदक जीते हैं। जैक्सन की जीत के बाद विश्व के सबसे तेज धावक जमैका के उसेन बोल्ट ने अपने देश के दो झंडो के फोटो के साथ ट्वीट करते हुए लिखा ब्रिलियंट। जैक्सन ने इस जीत के साथ ही सियोल में 1988 के ओलंपिक में फ्लोरेंस ग्रिफिथ जोएनर द्वारा बनाया 21.34 सेकंड और नीदरलैंड के डेफने शिपर्स द्वारा बनाए गए 21.63 सेकंड के पुराने विश्व चैम्पियनशिप रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

किंबर्ली गार्सिया ने 20 किमी रेस वॉक में स्वर्ण पदक जीता। 10,000 मीटर में लेटेसेंबेट ने स्वर्ण पदक जीता। 100 मीटर रेस में शैली एन्न ने स्वर्ण पदक जीता। डिस्कस थ्रो में बीन फेंग ने स्वर्ण पदक हासिल किया। 3000 मीटर स्टे प्लेसेस में नूरा जरूर दो ने स्वर्ण पदक जीता। ऊंची कूद में एलियन पैटर्नसन ने स्वर्ण पदक जीता। पंद्रह सौ मीटर में फेथ कीपिएगोन ने स्वर्ण पदक जीता। ट्रिपल जंप में यूलीमर रोजास ने नाम किया।

दक्षिण अफ्रीका वनडे की मेजबानी करेगा दिल्ली, आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 का मेजबान होगा मोहाली

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली का फिरोजशाह कोटला अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे की श्रृंखला के अंतिम मैच की मेजबानी करेगा जबकि टी20 विश्व कप के लिये जाने वाली टीम आईसीसी प्रतियोगिता के लिये रवाना होने से पहले आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन-तीन मैच खेलेगी। पता चला है कि भारत मोहाली में (20 सितंबर), नागपुर में (23 सितंबर) और हैदराबाद (25 सितंबर) में आस्ट्रेलिया से खेलेगा। भारतीय टीम विश्व कप की अपनी तैयारियों का समापन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन और टी20 मैच से करेगी जो त्रिवेंद्रम (28 सितंबर), गुवाहाटी (एक अक्टूबर) और इंदौर (तीन अक्टूबर) में होंगे। तीन वनडे रांची (छह अक्टूबर), लखनऊ (नौ अक्टूबर) और दिल्ली (11 अक्टूबर) में खेले जायेंगे। बीसीसीआई कोविड-19 के कारण स्थगित हुई लंबित श्रृंखलायें खत्म कर रहा है। दक्षिण अफ्रीका की टीम दुर्गा पूजा के दौरान तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिये आ रही है जिसमें दूसरे दर्जे की भारतीय टीम खेलती नजर आयेगी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, ''जैसा कि हमारे सचिव जय शाह ने हाल में कहा था, हमारे पास बराबर मजबूती की दो राष्ट्रीय टीमें उपलब्ध हैं। इसलिये तीन वनडे ऐसे समय पर खेले जायेंगे जब राष्ट्रीय टीम विश्व टी20 के लिये रवाना होगी।'' सूत्र ने कहा, ''रोटेशन नीति के अनुसार वनडे को कोलकाता में होना था लेकिन दुर्गा पूजा के समय पर बंगाल क्रिकेट संघ त्योहार के दौरान पुलिस का बंदोबस्त नहीं कर पायेगा। इसलिये एक मैच दिल्ली को दिया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की दावेदारी को मजबूत नहीं मानती मंधाना

टी20 टूर्नामेंट में कोई भी टीम किसी को भी हरा सकती है

बेंगलुरु (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने कहा है कि टी20 टूर्नामेंट में कोई भी टीम किसी को भी हरा सकती है। ऐसे में वह राष्ट्रमण्डल खेलों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की दावेदारी को मजबूत नहीं मानती। मंधाना ने कहा कि हमने पहले भी ऑस्ट्रेलियाई टीम का सामना किया है। भारतीय टीम हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में राष्ट्रमंडल खेलों में अपने अभियान की शुरुआत 29 जुलाई को करेगी। मंधाना ने कहा कि भारतीय टीम ने अपनी हर प्रतिद्वंद्वी के लिए योजनाएं बनाई हैं।

इंग्लैंड रवाना होने से पहले मंधाना ने कहा, 'हमने कई टूर्नामेंटों के शुरूआती मैचों में ऑस्ट्रेलिया का सामना किया है। टी20 टूर्नामेंट में कोई भी टीम किसी भी को हरा सकती है। मैं ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ी टीम कह कर उन्हें मनोवैज्ञानिक बढ़त नहीं दे सकती। निश्चित रूप से हमारे दिमाग में ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बारबाडोस के मैच अहम हैं। हम इन सभी मैचों को जीतना चाहेंगे।' भारत को इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इस भारतीय बल्लेबाज ने कहा, 'हमारी तैयारी वास्तव में अच्छी है और मुझे उम्मीद है कि हम पदक के जीतेंगे। हमारा लक्ष्य सिर्फ शीर्ष तीन में रहना नहीं है, हम स्वर्ण जीतना चाहते है।'

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बारबडोस के साथ ग्रुप ए में है जबकि इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका ग्रुप बी में है। दोनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी और सात अगस्त को तीनों पदक के लिए मैच खेले जाएंगे।

टी20 विश्वकप से पहले दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से टी20 सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप से पहले दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमों से खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अक्टूबर में भारत दौरे पर तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इससे विश्व कप से पहले दोनो टीमों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया के बाद भारतीय टीम अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन टी20 और इतने ही एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप के लिए रवाना होगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की मुख्य टीम टी20 सीरीज खेलेगी पर एकदिवसीय सीरीज के लिए अलग टीम रहेगी। भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला मोहाली में 20 सितंबर, नागपुर में 23 सितंबर और हैदराबाद में 25 सितंबर को होगा। इसके बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के त्रिवेंद्रम में 28 सितंबर, गुवाहाटी में एक अक्टूबर और इंदौर में तीन अक्टूबर को मुकाबले खेलेगी। वहीं तीन एकदिवसीय मैच रांची में छह अक्टूबर, लखनऊ में नौ अक्टूबर और दिल्ली में 11 अक्टूबर को होंगे।

यूएई में होगा एशिया कप: गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रमुख सौरव गांगुली ने कहा है कि एशिया कप का आयोजन भारत में नहीं बल्कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होगा। वहीं इससे पहले श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने देश में जारी खराब आर्थिक हालातों को देखते हुए एशिया कप की मेजबानी में असमर्थता जाहिर कर दी थी। तब अटकलें थीं कि अब भारत में यह टूर्नामेंट हो सकता है पर गांगुली के बयान के बाद ऐसी सभी अटकलों पर विराम लग गया। गांगुली ने बीसीसीआई की एपेक्स काउंसिल मीटिंग के बाद कहा कि यह टूर्नामेंट यूएई में होना इसलिए भी तय है क्योंकि इस मौसम में वहां बारिश नहीं होती है। यूएई के अलावा बांग्लादेश का नाम भी मेजबानी की दौड़ में शामिल था। एशिया कप 2022 में इस बार 6 टीम भाग लेंगी। श्रीलंका, गत चैम्पियन भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने पहले ही टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया था। साल 1984 में शुरुआत के बाद से ही अब तक 14 बार इस टूर्नामेंट का आयोजन हुआ है। इसे सबसे अधिक सात बार भारतीय टीम ने जीता है।

सिर्फ खिलाड़ियों का ही 'पूल' जरूरी नहीं, कोचों की 'बेंच स्ट्रेंथ' बनाना भी जरूरी: लक्ष्मण

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेटरों की 'बेंच स्ट्रेंथ' देखकर पूरी दुनिया हैरत में है लेकिन राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को लगता है कि भारतीय क्रिकेट को अगले स्तर तक ले जाने के लिये विश्व स्तरीय कोचों और अन्य सहयोगी स्टाफ का बड़ा 'पूल' तैयार करना भी इतना ही अहम है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज लक्ष्मण ने दिसंबर में एनसीए की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने गुरूवार को बीसीसीआई की शीर्ष परिषद बैठक में भारतीय क्रिकेट के लिये अपने दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए कहा, ''एनसीए में अभी ये मेरे शुरूआती दिन है लेकिन मेरा दृष्टिकोण सिर्फ खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं है। मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' बनाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी कोचों और अन्य सहयोगी स्टाफ की मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' बनाना है।'' उन्होंने कहा, ''यह देखते हुए कि खेल कितना पेशेवर बन गया है और इन दिनों कितना क्रिकेट खेला जाता है, तो शीर्ष स्तरीय कोचों और फिजियो और वैज्ञानिक चिकित्सा विशेषज्ञ की मांग बढ़ना भी लाजमी है।'' लक्ष्मण ने कहा, ''यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम एनसीए में ऐसा कार्यक्रम शुरू करें जिससे भारतीय प्रतिभाओं को इस विभाग में भी खुद को अभिव्यक्त करने में मदद मिले।'' लक्ष्मण एनसीए में जिम्मेदारी संभालने के तुरंत बाद भारतीय अंडर-19 टीम के साथ कैरेबियाई दौरे पर गये थे और हाल में वह राहुल द्रविड़ के साथ आयरलैंड टूर पर गयी भारतीय टीम के कोच थे।

इंग्लैंड के टेस्ट कोच मैकुलम ने स्टोक्स के वनडे से संन्यास लेने के फैसले का समर्थन किया

लंदन। (एजेंसी)।

इंग्लैंड के टेस्ट कोच ब्रेंडन मैकुलम ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के वनडे से संन्यास लेने के फैसले को पूरी तरह सकारात्मक नजरिए से देखते हैं लेकिन वह इसको लेकर सुनिश्चित नहीं है कि क्रिकेट के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए कहीं यह चलन नहीं बन जाए। विश्व कप 2019 के फाइनल के नायक स्टोक्स ने सोमवार को वनडे से संन्यास लेने की घोषणा करके सभी को चौंका दिया था। उन्होंने कहा था कि तीनों प्रारूपों में खेलना उनके लिए असंभव है। मैकुलम से जब पूछा गया कि क्या वह स्टोक्स के फैसले से खुश हैं तो उन्होंने कहा, ''हां मैं उनके फैसले से खुश हूं।''

मैकुलम से यह भी पूछा गया कि क्या स्टोक्स का कदम दुनिया के अन्य खिलाड़ियों के लिए भी चलन बन जाएगा। इस पर न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, ''सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या कम है। वह (स्टोक्स)ऐसा फैसला कर सकता था लेकिन यह व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए समय की मांग भी थी और उन्होंने टेस्ट कप्तान की अपनी भूमिका को प्राथमिकता में रखा।'' उन्होंने कहा, ''मैं नहीं जानता कि यह पूरे विश्व भर में चलन बन जाएगा लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं इसे पूरी तरह से सकारात्मक रूप से देखता हूं। मैं अब स्टोक्स के साथ अधिक समय बिताने को लेकर उत्साहित हूं।'' स्टोक्स का फैसला कई के लिये चौंकाने वाला रहा क्योंकि वह अभी केवल 31 साल के हैं लेकिन मैकुलम इसके दूसरे पहलू पर गौर करते हैं। उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर हम स्टोक्स को तीनों प्रारूपों में खेलता हुआ देखना चाहते हैं। वह सुपरस्टार है और हमने देखा है कि उन्होंने क्या हासिल किया है, लेकिन कभी चीजों के दूसरे पहलू पर भी गौर करना पड़ता है और मैं इसे सकारात्मक रूप से देखता हूं। अब वह टेस्ट टीम को अधिक समय दे पाएंगे।

शार्दुल ठाकुर को ऑलराउंडर नहीं मानता न्यूजीलैंड का यह पूर्व खिलाड़ी, दिया यह बयान

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर स्कॉट स्टायरिस का मानना है कि हार्दिक पांड्या के उभरने से शार्दुल ठाकुर को भारतीय टीम में अपनी जगह के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। स्टायरिस को लगता है कि ठाकुर में बाउंड्री मारने, कुछ मैच जीतने वाली पारियां खेलने और एक फिनिशिंग टच के साथ पारी को खत्म करने की क्षमता है। हालांकि पूर्व कीवी ऑलराउंडर को लगता है कि हार्दिक को ठाकुर से आगे है क्योंकि वह एक वास्तविक ऑलराउंडर है। स्टायरिस ने कहा, यही एक चीज है जो उसके पक्ष में है, वह यह है कि वह बल्लेबाजी करता है और हमने उसे आमतौर पर खेल के लंबे संस्करणों में भारत के लिए कई मैच जीतने वाली पारियां खेलते हुए देखा है। लेकिन उसके पास बाउंड्री मारने, पारी को खत्म करने या फाइनल टच देने की क्षमता है जो उसे अपने फायदे के लिए है। उन्होंने कहा, उसका नकारात्मक पक्ष हार्दिक पांड्या का एक वास्तविक ऑलराउंडर के रूप में उभरना है। क्या आपको उन दो शैली के खिलाड़ियों की आवश्यकता है? क्योंकि शार्दुल ठाकुर हार्दिक पांड्या जितने अच्छे नहीं हैं। मैं नहीं मानता कि वह एक ऑलराउंडर है। इसलिए हो सकता है कि वह फ्रंट लाइनर के रूप में खेलने के लिए उन खिलाड़ियों में से एक के बजाय बैकअप के लिए लड़ रहा हो। पंड्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 में गुजरात टाइटंस (जीटी) के कप्तान थे और उन्होंने अपने डेब्यू सीजन में टीम को खिताब दिलाया।

नो केस्लिंग वर्ल्ड मास्टर्स शतरंज - विश्वनाथन आनंद नें बनाई बढ़त

डोर्टमंड ,स्पेन। भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन डोर्टमंड शतरंज में लगातार दूसरे वर्ष नो केस्लिंग वर्ल्ड मास्टर्स शतरंज का खिताब जीतने का प्रयास कर रहे है । शतरंज के इस फॉर्मेट में राजा को सुरक्षित करने की खास चाल किलेबंदी को करने की अनुमति नहीं होती है । आनंद नें पिछले साल पूर्व विश्व चैम्पियन रूस के बालदिमीर क्रामनिक को व्यक्तिगत श्रंखला में मात देकर पहली बार यह खिताब जीता था जबकि इस बार इस प्रतियोगिता को चार खिलाड़ियों के बीच डबल राउंड रॉबिन आधार पर खेला जा रहा है । अभी तक आनंद पहले तीन राउंड में जर्मनी के दिमित्री कोल्म्सं और इंग्लैंड के माइकल एडम्स से ड्रॉ खेलकर तो जर्मनी के डेनियल फ्रिडमन को पराजित करते हुए 2 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है और अब उन्हे इन सभी खिलाड़ियों से एक और मुकाबला खेलना बाकी है । आनंद के अलावा दिमित्री और एडम्स 1.5 अंक तो डेनियल फिलहाल 1 अंक बनाकर खेल रहे है । प्रतियोगिता में पूर्व विश्व चैम्पियन ब्लादिमीर क्रामनिक स्वास्थ्य कारणो से अंतिम समय में नाम वापस लेना पड़ा

भारत के एल्डोस ने विश्व एथलेटिक्स के फाइनल में पहुंचकर बनाया रिकार्ड

यूजीन । भारत के एल्डोस पॉल विश्व एथलेक्टिक्स चैंपियनशिप की तिहरी कूद स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने हैं। एल्डोस ने 16.68 मीटर की छलांग लगाई। एल्डोस ग्रुप ए क्वालीफिकेशन में छठे स्थान पर रहने के साथ ही कुल 12वें स्थान पर रहे। इस स्पर्धा का फाइनल रविवार को होगा। एल्डोस ने सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 16.99 मीटर के करीब पहुंचकर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अप्रैल में फेडरेशन कप में किया था। वहीं भारत के ही प्रवीण चित्रावल और अब्दुल्ला अबुबाकर फाइनल में नहीं पहुंच पाये। इन दोनो ने ही 16.49 मीटर और 16.45 मीटर की छलांग लगायी। चित्रावल ग्रुप ए में आठवें स्थान पर जबकि कुल 17वें स्थान पर रहे। वहीं अबुबाकर ग्रुप बी में 10वें और कुल 19वें स्थान पर रहे। गौरतलब है कि 17.05 मीटर पार करने वाले शीर्ष 12 एथलीटों को ही फाइनल में प्रवेश मिला है।

एसी गोवा ने मोरक्को के फुटबॉलर को शामिल किया

पणजी । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम एसी गोवा ने मोरक्को के फुटबॉलर नूह सदओई को अपने साथ जोड़ा है। इसके लिए एसी गोवा ने सदओई के साथ दो साल का अनुबंध किया है। इस अनुबंध के तहत नूह साल 2024 सत्र तक गोवा टीम के साथ बने रहेंगे। क्लब के अनुसार इस खिलाड़ी के आने से टीम बेहतर होगी। साथ ही खिलाड़ियों को नूह के अनुभवों से लाभ मिलेगा। वहीं क्लब में शामिल किये जाने से उत्साहित नूह ने कहा कि यह क्लब मेरे लिए नया नहीं है। हम पिछले दो साल से संपर्क में थे। इस दौरान मुझे टीम के प्रदर्शन को देखने का अवसर मिला था। टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है।

वनडे 'धीमी मौत मर रहा है' लेकिन टेस्ट क्रिकेट अभी भी मजबूत: उस्मान ख्वाजा

मेलबोर्न (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के अनुसार वनडे क्रिकेट 'एक धीमी मौत' मर रहा है। उनके लिए बेन स्टोक्स का वनडे क्रिकेट से संन्यास लेना कोई आश्चर्य वाली बात नहीं है। 31 वर्षीय खिलाड़ी बेन स्टोक्स ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। बेन स्टोक्स ने क्रिकेट अधिकारियों को खिलाड़ियों के साथ 'गाड़ी' जैसा व्यवहार ना करने का आग्रह किया और उम्मीद जताई है कि उनके वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के निर्णय से सब सचेत होंगे।

स्टोक्स के अनुसार अभी काफी ज्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है, इससे किसी भी खिलाड़ी के लिए तीनों फॉर्मेट में खेलना काफी मुश्किल हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में ओपनिंग करने वाले बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा 2019 के बाद से सीमित ओवर के क्रिकेट में शामिल नहीं हुए हैं। उनके अनुसार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के परिमाण को देखते हुए आगे चल कर 50 ओवर क्रिकेट में भारी कटौती होगी। 'यह मेरी अपनी निजी राय है। मुझे पता है कि बहुत सारे लोगों का भी यही दृष्टिकोण है।

आपके पास टेस्ट क्रिकेट है, जो शिखर पर है। आपके पास टी 20 क्रिकेट है, जिसमें स्पष्ट रूप से दुनिया भर में लीग हैं। हर कोई इसे देखना पसंद करता है। इन दोनों के बाद वनडे क्रिकेट है, जिसका प्रभाव कम हो रहा है। शायद यह इन तीनों फॉर्मेट में अंतिम पायदान पर है। व्यक्तिगत रूप से मुझे ऐसा लग रहा है कि वनडे क्रिकेट धीमी मौत मर रहा है। अभी भी विश्व कप है, जो मुझे लगता है कि वास्तव में मजेदार है और यह देखना सुखद है लेकिन इसके अलावा व्यक्तिगत रूप से मुझे वनडे क्रिकेट उतना पसंद नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को अपने गर्मियों के सीज़न का अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर जारी कर दिया। इसके बाद ख्वाजा ने वनडे क्रिकेट पर अपने विचार रखे। ख्वाजा ने कहा कि मौजूदा समय में ऐसा नहीं है कि तीनों फॉर्मेट खेलने वाले खिलाड़ी नहीं बनाए जा सकते लेकिन यह बहुत मुश्किल काम है। ख्वाजा ने अनुसार, 'इसके लिए आपको काफी यात्रा करना पड़ेगी। अगर आप तीनों फॉर्मेट खेलते हैं तो आप घर पर कभी नहीं रहते हैं। इसके अलावा आप थक जाते हैं। मानसिक और शारीरिक रूप से काफी

रोट्रेक्ट क्लब ऑफ गंगटोक हिल्स का जिला पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जुलाई । रोट्रेक्ट क्लब ऑफ गंगटोक हिल्स द्वारा अपने आरआई डिस्ट्रिक्ट-3240 के 33वें रोट्रेक्ट जिला इंस्टॉलेशन - हकुना मटाटा तथा जिला पुरस्कार वितरण (2021-22) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब के पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर योगेश वर्मा मुख्य अतिथि एवं पीडीआरआर अजित कुमार भगत (डीआरसीसी 2022-23) तथा पीडीआरआर सर्षि दास (सह-डीआरसीसी 2022-23) सम्मानीय अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। इनके अलावा रोटरी क्लब ऑफ गंगटोक साउथ के अध्यक्ष गोपाल बारनेट इस अवसर पर विशेष अतिथि थे। वहीं कार्यक्रम में पीडीआरआर जियाउद्दीन हैदर, एसिस्टेंट गवर्नर आरसीसी प्रकाश सुनदास, जिला सह-प्रशिक्षक राजीव रतन के अलावा अन्य अतिथि भी उपस्थित रहे।

इंस्टॉलेशन की शुरुआत में आईपीडीआरआर राजर्षि सिन्हा ने डीआरआर 2021-22 के तौर पर समापन विदाई वक्तव्य के साथ अपना पद संदीप दास को प्रदान किया जिन्होंने डिस्ट्रिक्ट-3240 के 33वें जिला रोट्रेक्ट प्रतिनिधि (डीआरआर) के तौर पर शपथ ग्रहण किया। इसके बादि डिस्ट्रिक्ट टीम के सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण किया और जिला डायरेक्टरी 2022-23 को जारी किया गया।

रोटेरेक्ट क्लब की ओर से अध्यक्ष पीडीआईआर देवेश अग्रवाल और सचिव अनमोल लिम्बू सुब्बा ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि कार्यक्रम में रोट्रेक्ट क्लब ऑफ गंगटोक हिल्स ने डीआरआर संदीप दास एवं टीम को बधाई दी। साथ ही जेडआरआर जोन-2 ज्योति छेत्री और रोटरी अध्यक्ष देवेश अग्रवाल और डिस्ट्रिक्ट लिटरेसी कमिटी अध्यक्ष पिंटू शर्मा को भी जिले में क्लब के प्रतिनिधित्व हेतु बधाई दी।

इंस्टॉलेशन समारोह के बाद दूसरे चरण में रोट्रेक्ट डिस्ट्रिक्ट पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ। इसमें जोन-2 में सर्वश्रेष्ठ क्लब, सर्वश्रेष्ठ जेडआरआर, उल्लेखनीय अंतरराष्ट्रीय सेवा परियोजना, डीआरआर सम्मान एवं अन्य पुरस्कार प्रदान किये गये। इस अवसर पर पीडीआरआर स्मृतिरंजन बिश्वाल, पीडीआरआर देवज्योति दास, देब्रती दत्ता चौधरी और डीआरआर ई पांडार देव रॉय भी उपस्थित रहे।

पुलिस न हो तो न्यायपालिका भी नहीं दे सकती निष्पक्ष फैसला : सत्यपाल सिंह

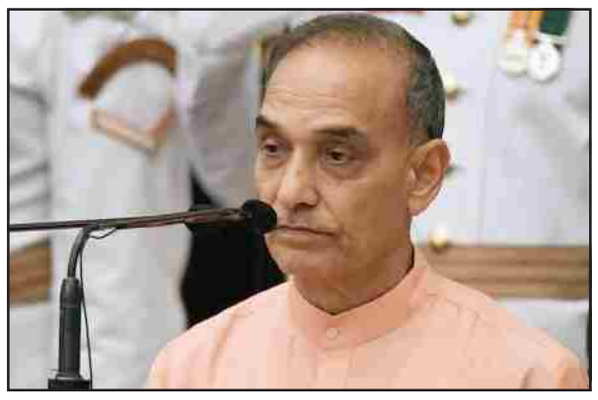

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। समाज में पुलिस को लेकर नकारात्मक दृष्टिकोण पर चिंता व्यक्त करते हुए मुंबई के पुलिस आयुक्त रह चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद सत्यपाल सिंह ने कहा कि समाज में पुलिस को लेकर जो दृष्टिकोण है, वो ठीक नहीं है। मुसीबत आती है तो भगवान और पुलिस याद आती है और मुसीबत जाते ही लोग भगवान को भूल जाते हैं और पुलिस को नजरअंदाज कर देते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ही देश और लोकतंत्र की सुरक्षा का मुख्य औजार है। अगर जजों के पास पुलिस ना हो तो वे फैसले नहीं सुना सकते हैं। देश में कहीं भी त्योहार हो, मेला हो, या परीक्षा, यात्रा, जनसभा हो, पहली जरूरत पुलिस की होती है। लेकिन पुलिस में संख्या बल कम है, काम का बोझ अत्यधिक है और एक पुलिसकर्मी को औसतन 12 से 15 घंटे तक काम करना पड़ता है।

सत्यपाल सिंह ने यह बात विभाजित समाज में पुलिस और न्याय विषय पर आयोजित संगोष्ठी में कही, जिसमें सिंह के अलावा वरिष्ठ पत्रकार मनीष छिब्बर, महाराष्ट्र की पहली महिला आईपीएस रही डॉ. मीरान बोरवकंर और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. शीतल शर्मा मौजूद थीं। संगोष्ठी का आयोजन राजेन्द्र पुनेठा स्मृति न्यास और यूरोपियन यूनियन के ज़ा मौनिए कार्यक्रम ने मिलकर किया, सेमिनार दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया गया।

सत्यपाल सिंह ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार प्रति एक लाख आबादी पर पुलिस बल 222 की संख्या में होना चाहिए। भारत में यह 171 मान्य है लेकिन मौजूदा स्थिति में ये संख्या 137 ही है। सिंह ने हर बार पुलिस को दागदार बनाने की प्रवृत्ति की भी कड़ी आलोचना की और कहा कि सरकार के अनेक विभाग पुलिस की तुलना में बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार में लिप्त हैं लेकिन समाज हो या अदालत, सबको पुलिस को लेकर पूर्वाग्रह रहता है। पुलिस को बुरा भला कहना फैशन बन गया है।

उन्होंने कहा कि यदि पुलिस कर्मी अपनी नौकरी के वक्त ली गई शपथ का पालन करें और बिना किसी भेदभाव के कानून व्यवस्था कायम रखें तो बहुत फर्क पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस कमजोर होगी तो आंतरिक सुरक्षा कमजोर होगी। अच्छी पुलिसिंग के लिए हमारे व्यवहार में परिवर्तन लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने पुलिस सुधारों के लिए इस साल 18500 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। डॉ. सिंह ने कहा कि पुलिस सुधार की बात बहुत समय से चली आ रही है लेकिन कहीं भी पुलिस स्थापना बोर्ड तक नहीं है। पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के तबादले और तैनाती राजनीतिक नेताओं द्वारा की जाती है। पुलिस चूंकि राज्य का विषय है इसलिए राजनीति पुलिस सुधार होने नहीं देती। इसी कारण पुलिस सबसे ज्यादा विभाजन करती है। अलग अलग पार्टी, जाति, धर्म और क्षेत्र के आधार पर विभाजन होता है। राजनीतिक आका जैसा चाहते हैं, वैसा होता है।

इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार मनीष छिब्बर ने कहा कि भारत में यह सामान्य रूप में लोग मानते हैं कि देश की पुलिस भ्रष्ट है। रोजाना पुलिसकर्मियों और अधिकारियों का सामना आलोचना से होता है। पुलिस से अपेक्षा बहुत ज्यादा है और आउटपुट बहुत कम है। छिब्बर ने कहा कि दरअसल 'रूल ऑफ लॉ' के गायब होने के कारण ही समाज में विभाजन या ध्रुवीकरण हो रहा है। ऐसा पहली बार दिखाई दे रहा है कि न्यायाधीशों की आलोचना इस स्तर पर पहुंच गई है कि लोग सवाल पूछने की जगह पत्थर फेंक रहे हैं। उन्होंने पुलिस व्यवस्था में अत्यधिक राजनीतिक दखलंदाजी का मुद्दा उठाया और कहा कि पंजाब में एक साल में पांच महानिदेशक आ गए। जबकि केंद्रीय प्रशासनिक पंचाट की व्यवस्था है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और पुलिस महानिदेशक को दो साल से पहले नहीं बदलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार से विधायकों को थानेदारों और हवलदारों के तबादले और तैनाती से दूर रखने की जरूरत है।

पूणे की कमिश्नर रह चुकी डॉ. मीरान बोरवंकर ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि पुलिस में मजहबी विभाजन के उदाहरण मुंबई में पहली बार 1993-94 के दंगों के दौरान दिखाई दिए। ऐसे ऐसे शब्दों का प्रयोग किया गया जिनके बारे में कोई कल्पना नहीं कर सकता। इसी तरह पुलिस में लैंगिक भेदभाव भी है। पुलिस में महिलाओं को टेलिफोन ऑपरेटर, वायरलेस ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर या ऐसी ही साइडलाइन वाली तैनाती दी जाती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में उन्होंने पाया कि आदिवासी एवं दलित समाज की महिला पुलिसकर्मी मुख्य धारा की तैनाती पाना चाहती हैं।

डॉ. बोरनकर ने कहा कि पुलिस प्रशिक्षण में शारीरिक पहलुओं पर बहुत ज्यादा जोर दिया गया है जबकि संविधान एवं रूल ऑफ लॉ यानी कानून का शासन की ट्रेनिंग की कमी है। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता की कमी के कारण पुलिसकर्मी अक्खड़, घमंडी और जरूरत से ज्यादा कठोर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक संगठनों, शिक्षाविदों, न्यायविदों को शामिल करके पुलिस को संवेदनशील बनाने का लगातार प्रशिक्षण देने की जरूरत है। उन्हें धर्म जाति लिंग और क्षेत्र के मामले में संवेदनशील बनाया जाना चाहिए।

जवाहर लाल यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ. शीतल शर्मा ने कहा कि समाज में संघर्ष अपरिहार्य है और संघर्ष होगा तो पुलिस की भी जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि पुलिस की स्थिति लोकतंत्र की सेहत का सूचकांक होता है। संघर्ष को नियंत्रित करने और शांति व्यवस्था बनाए रखने की भूमिका को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि खाकी में खड़े पुलिसकर्मी भारत के निर्माण में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने पुलिस की जरूरतों को पूरा करने पर बल देते हुए कहा कि जब पुलिस की जरूरतें पूरी नहीं होंगी तो पुलिस आपकी अपेक्षा कैसे पूरी कर सकती है। कार्यक्रम में देश के तमाम वरिष्ठ पत्रकार, शिक्षाविद, पूर्व पुलिस अधिकारी और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आप और बीजेपी में फिर खिंची तलवार, नई शराब नीति को लेकर केजरीवाल पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता मीनाक्षी लेखी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने नियमों व प्रक्रिया का उल्लंघन कर शराब कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए गुटबंदी' को बढ़ावा दिया। दिल्ली के उप राज्यपाल वी.के.सक्सेना ने आबकारी नीति 2021-22 की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की सिफारिश की है, जबकि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उप मुख्यमंत्री और आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया का बचाव किया है।

मुख्यमंत्री को आड़े हाथ लेते हुए लेखी ने कहा कि शराब के कारोबार में हुए बड़े घोटाले'' की वजह से राजकोष को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने दिल्ली में शराब कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों और प्रक्रियाओं का उल्लंघन कर गुटबंदी' को बढ़ावा दिया।'' लेखी ने दावा किया कि लाइसेंसधारियों को करीब 144.36 करोड़ रुपये की छूट दी गई जबकि एक कंपनी को पेशगी के तौर पर जमा 30 करोड़ की राशि नियमों और प्रक्रिया का अनुपालन किए बिना लौटा दी गई।

उल्लेखनीय है कि केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया गया था कि सिसोदिया पर सीबीआई फर्जी मामला दर्ज करेगी। उन्होंने सिसोदिया का बचाव करते हुए कहा था कि वह कट्टर ईमादार'' व्यक्ति हैं जिन्होंने दिल्ली में विश्व स्तरीय शिक्षा विकसित की है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सिसोदिया को भी उनके अन्य सहयोगी सत्येंद्र जैन की तरह फर्जी'' मामले में गिरफ्तार किया जा सकता है। जैन इस समय कथित धनशोधन के एक मामले में जेल में बंद हैं।

लेखी ने कहा कि वह नहीं जानती कि कौन जेल जाएगा, लेकिन ऐसे दस्तावेज और हस्ताक्षर हैं जो नयी आबकारी नीति को लागू करने का फैसला लेने और अनियमितता करने में उनकी संलिप्तता को साबित करते हैं। गौरतलब है कि सक्सेना ने आप सरकार द्वारा लाई आबकारी नीति 2021-22 में कथित तौर पर नियमों और प्रक्रिया का उल्लंघन करने के आरोपों की जांच सीबीआई से कराने की सिफारिश की है।

यूपी सरकार के कर्मचारियों को योगी का तोहफा, महंगाई भत्ता बढ़ाया

लखनऊ, 22 जुलाई (एजेन्सी)। योगी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में राज्य कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। सीएम योगी ने प्रदेश के हजारों कर्मचारियों के व्यापक हित का ध्यान रखते हुए जनवरी 2022 से महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत की दर 31 प्रतिशत के स्थान पर 34 प्रतिशत करने का फैसला लिया है। जो सरकारी कर्मचारी हैं उनको महंगाई भत्ता और रिटायर्ड कर्मचारियों को महंगाई राहत दी है। यूपी के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स का महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) 1 जनवरी, 2022 के प्रभाव से बढ़ाया गया है इसलिए सबको एरियर भी मिलेगा। आदेश के हिसाब से जनवरी से जून कुल छह महीने का एरियर भी जुलाई की बढ़ी हुई सैलरी और पेंशन के साथ अगस्त मे आएगा।

यूपी सरकार ने इसी साल जनवरी में राज्य की सहकारी गन्ना समितियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोत्तरी की थी। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय आर.भूसरेड्डी ने बताया था कि सहकारी गन्ना समितियों के कार्मिकों की ओर से राज्य सरकार से महंगाई भत्ता बढ़ाए जाने की लगातार मांग की जा रही थी। कार्मिकों की इसी मांग का संज्ञान लेते हुए निर्णय लिया गया कि जिन सहकारी गन्ना समितियों में सातवां वेतनमान अनुमन्य किया जा चुका है उनके कार्मिकों को महंगाई भत्ते की बढ़ी हुई किस्त की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

सुष्मिता सेन को ललित मोदी मिल गए, हमारे मोदी जी को नहीं मिल रहे : संजय सिंह

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सुष्मिता सेन को ललित मोदी मिल गए लेकिन हमारे मोदी जी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) को वो नहीं मिल रहे हैं। बता दें कि इससे पहले दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि जल्द ही सीबीआई केंद्र के इशारे पर डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार करने वाली है। मामला दिल्ली में एक्साइज ड्यूटी को लेकर है, जिस पर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने केंद्र से मामले में हाई लेवल जांच की सिफारिश की है।

दरअसल, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली में एक्साइज ड्यूटी में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए केंद्र से हस्तक्षेप करने और हाई लेवल जांच की मांग की थी। जिस पर दिल्ली सरकार बनाम केंद्र की जंग तेज हो गई है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मनीष सिसोदिया को जल्द ही गिरफ्तार करने वाली है। केजरीवाल ने कहा था कि सिसोदिया के खिलाफ अभी कोई सबूत नहीं मिला है लेकिन, वे ढूंढ रहे हैं और कुछ न कुछ झूठ निकालकर ही दम लेंगे।

उधर, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने मोदी सरकार पर हमला बोला। एक प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि सुष्मिता सेन (अभिनेत्री) को ललित मोदी मिल गए। लेकिन हमारे मोदी जी को वो नहीं मिल रहे हैं। बता दें कि हाल ही में ललित मोदी ने अपने ट्विटर अकाउंट पर सुष्मिता सेन के साथ तस्वीरें शेयर की थी और रिलेशनशिप की बात कबूल की थी। दरअसल, ललित मोदी आईपीएल से जुड़े टेंडर और ऑक्शन में गड़बड़ियों के आरोप झेल रहे हैं। बीसीसीआई उन्हें बोर्ड से बाहर कर चुकी है। ईडी मामले में जांच कर रही है और ललित मोदी भारत से भाग चुके हैं। ललित मोदी को भारत सरकार भगौड़ा घोषित कर चुकी है।

संजय सिंह ने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार की ईमानदारी से मोदी सरकार डरती है। इसलिए झूठे आरोपों के दम पर कार्रवाई करने में जुटी है। पहले दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन को गिरफ्तार किया और अब डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है।

बी.एस. येदियुरप्पा को सुप्रीम कोर्ट से राहत, भ्रष्टाचार मामले में आपराधिक कार्रवाई पर रोक

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के तहत दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत उनके खिलाफ लंबित आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने से इनकार कर दिया था। आरोप लगाया गया है कि येदियुरप्पा ने कथित तौर पर 2006-07 में कई एकड़ भूमि को अवैध रूप से डी-नोटिफाई (गैर-अधिसूचित) किया था।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। येदियुरप्पा द्वारा दायर एक विशेष अनुमति याचिका पर प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एन. वी. रमना की पीठ ने कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी किया और उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक भी लगा दी।

न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हेमा कोहली भी पीठ में शामिल थे, जिसने यह फैसला सुनाया। वरिष्ठ अधिवक्ता के. वी. विश्वनाथन ने येदियुरप्पा का प्रतिनिधित्व किया। वकील ने तर्क दिया कि उच्च न्यायालय ने उसी प्राथमिकी को रद्द कर दिया था, जो 9 अक्टूबर, 2015 को पहले आरोपी के खिलाफ दर्ज की गई थी। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, उन्होंने तर्क दिया कि पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ उसी प्राथमिकी पर जांच अवैध थी और अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने के समान थी।

उच्च न्यायालय ने लोकायुक्त पुलिस द्वारा की गई जांच को यह कहते हुए रद्द करने से इनकार कर दिया था कि तत्काल मामले में जांच करने में ढिलाई बरती जा रही है।

यह मामला 2006-07 के दौरान एक आईटी परियोजना के लिए अधिग्रहित कई एकड़ भूमि को कथित तौर पर अवैध रूप से रद्द करने से संबंधित है।

इससे पहले याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने लोकायुक्त अदालत को आपराधिक अपराधों में शामिल लोक सेवकों और सांसदों और विधायकों के कदाचार के संबंध में अदालतों द्वारा आदेशित जांच की निगरानी करने का निर्देश दिया था। हालांकि, अदालत ने जांच करने में लोकायुक्त पुलिस की ढिलाई की निंदा की और जांच में जानबूझकर देरी के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया था।

येदियुरप्पा ने दिसंबर 2020 में पारित उच्च न्यायालय के आदेश की वैधता को चुनौती दी है।

फरवरी 2015 में, बेंगलुरु की एक जिला अदालत ने लोकायुक्त पुलिस को वासुदेव रेड्डी द्वारा दायर एक निजी शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए कहा था।

भारत पड़ोस प्रथम नीति के तहत श्रीलंका की सहायता कर रहा : एस. जयशंकर

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेन्सी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि भारत सरकार पड़ोस प्रथम नीति के अनुरूप श्रीलंका को आर्थिक चुनौतियों से उबरने में उसकी सहायता कर रहा है।

लोकसभा में एस रामलिंगम के प्रश्न के लिखित उत्तर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह बात कही। सदस्य ने श्रीलंका को वर्तमान आर्थिक संकट से उबरने के लिये वित्तीय सहायता के बारे में जानकारी मांगी थी ।

ज्ञात हो कि श्रीलंका में विदेशी मुद्रा की कमी के कारण भोजन, ईंधन और दवाओं सहित आवश्यक वस्तुओं के आयात में बाधा आ रही है।

जयशंकर ने निचले सदन को बताया कि भारत सरकार ने पिछले 10 वर्ष में रेलवे, बुनियादी ढांचा, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोलियम और उर्वरकों जैसे क्षेत्रों में श्रीलंका को 185.06 करोड़ डालर की आठ ऋण सुविधाएं (एलओसी) प्रदान की है ।

विदेश मंत्री ने बताया, सरकार की पड़ोस प्रथम नीति के तहत अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण और पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध है । इस नीति के अनुरूप भारत-श्रीलंका के आर्थिक विकास के साथ साथ उसकी आर्थिक चुनौतियों को दूर करने में भी उसकी सहायता कर रहा है ।

उन्होंने बताया कि जनवरी 2022 में भारत ने दक्षिण एशियाई देशों का क्षेत्रीय संगठन (दक्षेस) ढांचे के तहत श्रीलंका के साथ 40 करोड़ डालर मुद्रा की अदला-बदली की और एशियाई समाशोधन संघ (एसीयू) के उत्तरोत्तर भुगतान को छह जुलाई 2022 तक स्थगित कर दिया ।

उन्होंने बताया कि श्रीलंका को छह करोड़ रूपये की आवश्यक दवाएं, 15,000 लीटर केरोसीन तेल और यूरिया उर्वरक की खरीद के लिये मानवीय सहायता के रूप में 5.5 करोड़ डालर की ऋण सहायता दी गई थी।

जयशंकर ने बताया कि तमिलनाडु सरकार ने व्यापक भारतीय सहायता प्रयासों के तहत 1.6 करोड़ डालर के चावल, दूध पाउडर और दवाओं का योगदान किया ।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार की भारतीय विकास एवं आर्थिक सहायता योजना (आईडीईएएस) के दिशानिर्देशों के अनुसार ऋण सहायता के तहत विकास सहायता भी प्रदान की जाती है। इन दिशानिर्देशों में ऋण के संबंध में कम ब्याज दर, मूल राशि की वापसी पर स्थगन, ऋण वापसी की लिये लंबी अवधि एवं आंतरिक लचीलापन शामिल है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com